www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम

अधिकतम तापमान 35.c

26.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 90.790g

चांदी 91.500 kg

2 नागपुर का सबक, गड़े मुर्दे उखाड़ने के दुष्परिणाम

महिला आयोग की सदस्य ने इंस्पेक्टर को लगाई फटकार 04

वर्ष :08 | अंक :267 | मुंबई ,गुरूवार , 20 मार्च , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

जम्मू कश्मीर में दो आईईडी बरामद

जम्मू कश्मीर के बांदीपोरा और पुलवामा जिलों से सुरक्षा बलों ने बुधवार को दो ह्यपरिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद किए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बांदीपुरा-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सनसेट प्वाइंट के पास एक आईईडी बरामद किया गया।पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) ने बिना कोई नुकसान पहुंचाए बम को निष्क्रिय कर दिया। अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर स्थित पुलवामा जिले के अवंतीपोरा इलाके के घाट तोकुना गांव में सड़क किनारे एक प्रेशर कुकर आईईडी बरामद किया। अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर स्थित पुलवामा जिले के अवंतीपोरा इलाके के घाट तोकुना गांव में सड़क किनारे एक प्रेशर कुकर आईईडी बरामद किया। उन्होंने बताया कि बीडीएस दस्ते के साथ त्वरित कार्रवाई दल ने उसे नष्ट कर दिया। अधिकारी ने बताया कि अलग किए गए हिस्सों को जांच के लिए ले जाया गया है।

रमजान में नमाज पढ़कर आ रहे रिटायर्ड पुलिस अफसर की हत्या, फरवरी में ही वीडियो रिकॉर्ड कर जान का खतरा बताया था

तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले के सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी जाकिर हुसैन द्वारा फरवरी 2025 में रिकॉर्ड किया गया एक वीडियो, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि उनकी जान को खतरा है, 18 मार्च को उनकी हत्या के बाद सामने आया है।जाकिर ने वीडियो में दावा किया मुझे जान से मारने की धमकी दी जा रही है। करीब 20 से 30 लोग मुझे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। इनमें सबसे अहम नाम तौफीक का है। वह एक मुसलमान है जिसने नौ साल पहले पैसे कमाने के लिए धर्म बदला था। वह एक जमीन के टुकड़े के लिए ब्रोकर के तौर पर आया था और अब उसने उस जमीन की मालकिन से उसके पहले पति को तलाक देकर शादी कर ली है।जाकिर ने दो पुलिस अधिकारियों, इंस्पेक्टर गोपालकृष्णन और सब-इंस्पेक्टर सेंथिल कुमार का भी नाम लिया और उन पर उसके खिलाफ धमकियों में शामिल होने और उसकी शिकायतों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। ह्लजिन लोगों ने इस धमकी को बढ़ावा दिया और इस हत्या की धमकी में अहम भूमिका निभाई, वे तिरुनेलवेली टाउन इंस्पेक्टर गोपालकृष्णन और सब-इंस्पेक्टर सेंथिल कुमार हैं। वे मुख्य अधिकारी हैं जिन्होंने मेरी शिकायत को नजरअंदाज किया। जाकिर की हत्या 18 मार्च को सुबह-सुबह उस समय की गई, जब वह नमाज पढ़कर मस्जिद से लौट रहा था।

9 महीने 14 दिन बाद पृथ्वी पर लौटीं सुनीता विलियम्स

स्पेसक्राफ्ट का टेम्परेचर बढ़ने पर 7 मिनट संपर्क टूटा, फ्लोरिडा समुद्र तट पर लैंडिंग

घर वापसी

सुनीता जल्द ही भारत भी आ सकती है। स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन अंतरिक्ष यान द्वारा सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर सहित दो अन्य चालक दल के सदस्यों को पृथ्वी पर वापस लाने के बाद बात करते हुए, फल्गुनी पंड्या ने अंतरिक्ष यान के उतरने के क्षण को अवास्तविक बताया।

एजेंसी

स्पेस स्टेशन से पृथ्वी पर लौटने में 17 घंटे लगे

- ड्रैगन कैप्सूल के अलग होने से लेकर समुद्र में लैंडिंग तक करीब 17 घंटे लगे। 18 मार्च को सुबह 08:35 बजे स्पेसक्राफ्ट का हैच क्लोज हुआ, यानी दरवाजा बंद हुआ। 10:35 बजे स्पेसक्राफ्ट करर से अलग हुआ।
- 19 मार्च को रात 2:41 बजे डीऑर्बिट बर्न शुरू हुआ। यानी, कक्षा से उल्टी दिशा में स्पेसक्राफ्ट का इंजन फायर किया गया। इससे स्पेसक्राफ्ट की पृथ्वी के वातावरण में एंट्री हुई और सुबह 3:27 बजे स्प्लैशडाउन।

नयी दिल्ली / फ्लोरिडा । भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर 9 महीने 14 दिन बाद पृथ्वी पर लौट आए हैं। इनके साथ क्रू-9 के दो और एस्ट्रोनॉट अमेरिका के निक हेग और रूस के अलेक्सांद्र गोरबुनोव भी हैं। उनका ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट भारतीय समयानुसार 19 मार्च को सुबह 3:27 बजे फ्लोरिडा के तट पर स्प्लैशडाउन हुआ, यानी पानी में लैंडिंग हुई।ये चारों एस्ट्रोनॉट मंगलवार (18 मार्च) को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (करर) से रवाना हुए थे। स्पेसक्राफ्ट के धरती के वायुमंडल में प्रवेश करने पर इसका तापमान 1650 डिग्री सेल्सियस हो गया था। इस दौरान करीब 7 मिनट के लिए कम्युनिकेशन ब्लैकआउट रहा, यानी यान से संपर्क नहीं रहा। हालांकि, ऐसा होना आम बात है। प्लाजमा के कारण ऐसा होता है।

स्वागत है क्रू9, धरती ने तुम्हे याद किया , सुनीता विलियम्स की वापसी पर पीएम मोदी का ट्वीट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुनीता विलियम्स को बधाई दी तथा बुच विल्मोर के साथ धरती पर कदम रखने पर उनका स्वागत किया। मोदी ने कहा कि अंतरिक्ष अन्वेषण मानव क्षमता की सीमाओं को आगे बढ़ाने के बारे में है, सुनीता विलियम्स ने अपने पूरे करियर में इसका उदाहरण पेश किया है।उन्होंने एक्स पर लिखा कि क्रू 9की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अथक परिश्रम करने वाले सभी लोगों पर गर्व है।

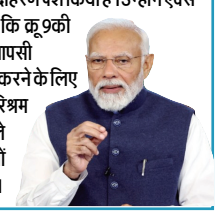

8 दिन के मिशन पर गए थे, लेकिन 9 महीने से ज्यादा समय लग गया

सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर बोइंग और ठअरअ के 8 दिन के जॉइंट क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन पर गए थे। इस मिशन का उद्देश्य बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट की एस्ट्रोनॉट्स को स्पेस स्टेशन तक ले जाकर वापस लाने की क्षमता को टेस्ट करना था।

सुनीता विलियम्स की सुरक्षित वापसी पूरी दुनिया के लिए जश्न का क्षण: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी क्रू सदस्यों की सुरक्षित वापसी पर खुशी जाहिर की. साथ ही नासा के स्पेसएक्स क्रू-9 मिशन की सफलता की प्रशंसा की. सिंह ने अंतरिक्ष यात्रियों की इस उपलब्धि को मानव अंतरिक्ष खोज में मील का पत्थर बताया. सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, नासा के क्रू-9 की धरती पर सुरक्षित वापसी से खुशी हुई. भारत की बेटी सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों ने अंतरिक्ष में मानव धीरज और दृढ़ता के इतिहास को फिर से लिखा है. राजनाथ सिंह ने सुनीता विलियम्स की तारीफ की और कहा कि उनकी यात्रा अविश्वसनीय शक्ति और भावना का प्रमाण है. उन्होंने कहा, स्सुनीता विलियम्स की अविश्वसनीय यात्रा, अटूट समर्पण, दृढ़ता और लड़ने की भावना दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित करेगी. उन्होंने कहा कि सुनीता विलियम्स की सुरक्षित वापसी न सिर्फ अंतरिक्ष को लेकर उत्साही लोगों के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए जश्न का क्षण है. उनकी हिम्मत और उपलब्धियां हम सभी को गौरवान्वित करती हैं. राजनाथ सिंह ने अंतरिक्ष यात्रियों को बधाई दी और मिशन की सफलता में शामिल वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और सभी भागीदारों का आभार जताया.

चादर पर कुरान की आयत नहीं थी अफवाह फैलाई गई: सीएम फडणवीस

पुलिस और मेरे बयान में फर्क नहीं; मास्टरमाइंड फहीम गिरफ्तार

विपक्ष का रिएक्शन

- समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव बोले कि महाराष्ट्र के नागपुर में हिंसा भड़काने में शामिल आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।
- शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि दुख की बात यह है कि कानून और व्यवस्था पुलिस के हाथ में नहीं है। गृह विभाग, जो मुख्यमंत्री के पास है, विफल रहा है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, भाजपा हिंसा भड़काने के लिए और बजरंग दल का इस्तेमाल करती है। सीएम के भड़काऊ भाषण पर कार्रवाई कब होगी?
- आरएसएस प्रचार प्रमुख बोले- औरंगजेब की आज कोई वैल्यू नहीं आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बुधवार को कहा कि हिंसा का कोई भी रूप समाज की भलाई के लिए हानिकारक है।

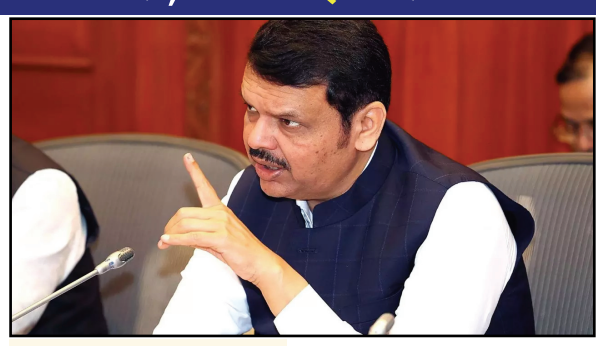

फहीम खान ने 500 से ज्यादा दंगाइयों को इकट्ठा किया और हिंसा को बढ़ावा दिया था। दंगाइयों ने महिला पुलिसकर्मी के कपड़े उतारने और झड़प के दौरान उन्हें गलत तरीके से छूने की भी कोशिश की। यह जानकारी गणेशपेठ पुलिस स्टेशन में दर्ज केस में सामने आई है।

एजेंसी

नागपुर, नागपुर हिंसा पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में कहा कि जलाई गई चादर पर कुरान की आयत नहीं थी। आयत को लेकर अफवाह फैलाई गई।उन्होंने कहा कि पुलिस और मेरे बयान में फर्क नहीं है। जानबूझकर हिंसा फैलाई गई। किसी भी दोषी को छोड़ा नहीं जाएगा। पुलिस पर हमला करने वाले बचेंगे नहीं। जो कब्र में छिपे हैं तो कब्र से निकालेंगे।वहीं, नागपुर में औरंगजेब का पुतला जलाने पर 17 मार्च को हुई सांप्रदायिक हिंसा मामले में पुलिस ने बुधवार को मास्टरमाइंड फहीम शमीम खान को गिरफ्तार किया। उसे 21 मार्च तक पुलिस कस्टडी में भेजा गया है।दंगाइयों ने भालदरपुरा चौक के पास रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए महिला अधिकारी के साथ अश्लील हरकत की थी।अब तक 50 लोगों को हिरासत में लिया गया पुलिस ने कहा कि 17 मार्च को भड़की हिंसक झड़पों के बाद नागपुर में 10 पुलिस जिला क्षेत्रों में लगातार दूसरे दिन भी कर्फ्यू लागू रहा और 50 लोगों को हिरासत में लिया गया है।19 आरोपियों को 21 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

गाजा के हालात देखकर भड़कीं प्रियंका गांधी

बोलीं- कायर है इजराइल, बहादुर हैं फिलस्तीनी

प्रियंका वाड्रा ने पोस्ट किया, इजराइली सरकार द्वारा 130 बच्चों सहित 400 से अधिक निर्दोष नागरिकों की निर्मम हत्या किए जाने से पता चलता है कि उसके लिए मानवता का कोई मतलब नहीं है। उसके कदम अंतर्निहित कमजोरी और सच्चाई का सामना करने में असमर्थता को दशार्ते हैं।

एजेंसी

नयी दिल्ली। इजराइल की ओर से गाजा में किये गये ताजा हमलों को लेकर भारत की राजनीति भी गर्मा गयी है। विपक्षी नेताओं ने इजराइल पर सवाल दागा तो भारतीय विदेश मंत्रालय भी जागा और एक बयान जारी कर दिया। हम आपको बता दें कि अक्सर गाजा के हालात का मुद्दा उठाती रहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गाजा में इजराइल के ताजा हमले को लेकर दावा किया है कि निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या से पता चलता है कि इजराइली सरकार को मानवता से कोई मतलब नहीं है।हम आपको बता दें कि इजराइल ने मंगलवार सुबह गाजा पट्टी क्षेत्र पर हवाई हमले किए, जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 404 फलस्तीनी मारे गए हैं। प्रियंका गांधी ने एक्सपर पोस्ट किया, इजराइली सरकार द्वारा 130 बच्चों सहित 400 से अधिक निर्दोष नागरिकों की निर्मम हत्या किए जाने से पता चलता है कि उसके लिए मानवता का कोई मतलब नहीं है। उसके कदम अंतर्निहित कमजोरी और सच्चाई का सामना करने में असमर्थता को दशार्ते हैं।उन्होंने दावा किया, चाहे पश्चिमी शक्तियां फलस्तीनी लोगों के नरसंहार में उनकी मिलीभगत को स्वीकार करें या नहीं, दुनिया के सभी नागरिक जिनके पास विवेक है वह (कई इजराइलियों सहित), इसे देख रहे हैं।उन्होंने कहा कि इजराइली सरकार जितना अधिक आपराधिक ढंग से कार्य करती है, उतना ही अधिक वे स्वयं के बारे में यह प्रकट करते हैं कि वे वास्तव में कायर हैं।प्रियंका गांधी ने कहा, दूसरी ओर, फलस्तीनी लोगों की बहादुरी कायम है। उन्होंने अकल्पनीय पीड़ा सहन की है फिर भी उनकी आत्मा अटूट बनी हुई है।

भाजपा सांसदों को आरोप, कर्नाटक में पर्दे के पीछे से मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है कांग्रेस सरकार

आरोप

निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पर्दे के पीछे से अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) की श्रेणी में मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि इसे रोकने के लिए कानून बनाया जाए।

एजेंसी

नयी दिल्ली। भाजपा सदस्यों ने बुधवार को कर्नाटक सरकार के उस विधेयक को वापस लेने की मांग की, जिसमें सरकारी ठेकों में मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। उनका तर्क है कि यह कदम देश के विभाजन के समान है। लोकसभा में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए भाजपा सदस्यों निशिकांत दुबे और तेजस्वी सूर्या ने विपक्षी सदस्यों के विरोध के बीच कर्नाटक सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता (संशोधन) विधेयक को वापस लेने की मांग की। निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पर्दे के पीछे से अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) की श्रेणी में मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि इसे रोकने के लिए कानून बनाया जाए। संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि दुबे ने जो भावना व्यक्त की है, उस बारे में संबंधित मंत्रालय को अवगत करा दिया जाएगा। भाजपा सांसद दुबे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कारण देश का धर्म के आधार पर बंटवारा हुआ था और अब फिर से जाति आधारित जनगणना और मुस्लिम आरक्षण के नाम पर यही किया जा रहा है।

पंजाब पुलिस, सरकार का पूरा समर्थन

बुलडोजर कार्रवाई की आलोचना के बाद हरभजन का यू-टर्न

एजेंसी

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य हरभजन सिंह ने पंजाब में ड्रग तस्करों के खिलाफ भगवंत मान की अगुवाई वाली आप सरकार के विध्वंस अभियान का विरोध करके विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि बुलडोजर चलाना समाधान नहीं है। आप नेता सोमनाथ भारती ने अपने पार्टी सहयोगी पर पलटवार करते हुए राज्य सरकार की ड्रग्स के खिलाफ युद्ध पहल के बारे में उनकी टिप्पणी को पूरी तरह से अनुचित बताया।

केंद्र को उच्च न्यायालय का निर्देश

रान्या राव और उनके पिता को बदनाम करने से मीडिया को रोकने के लिए उचित कदम उठाए

यह आदेश सोने की तस्करी के एक मामले से संबंधित चल रही कानूनी कार्यवाही के संदर्भ में जारी किया गया था जिसमें रान्या राव को गिरफ्तार किया गया था और न्यायिक हिरासत में रखा गया था।

एजेंसी

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव और कर्नाटक सरकार में पुलिस महानिदेशक रैंक के अधिकारी पिता रामचंद्र राव के खिलाफ मीडिया आउटलेट्स को झूठी और अपमानजनक सामग्री प्रसारित या प्रकाशित करने से रोकने के लिए उचित कदम उठाए। यह आदेश सोने की तस्करी के एक मामले से संबंधित चल रही कानूनी कार्यवाही के संदर्भ में जारी किया गया था जिसमें रान्या राव को गिरफ्तार किया गया था और न्यायिक हिरासत में रखा गया था। अभिनेता को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था।

बिहार को पैर पकड़वा नहीं, आगे ले जाने वाला सीएम चाहिए

एनडीए सरकार पर वार करते हुए तेजस्वी ने कहा कि उनका बिहार से पलायन रोकने का कोई इरादा नहीं है; वे इसे बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। यहां तक कि गिरिराज सिंह ने भी इस बारे में तभी बात की जब मैंने इस बारे में ट्वीट किया।

एजेंसी

केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा कथित तौर पर आईआईएमआर और बीज उत्पादन केंद्र को बिहार से कर्नाटक स्थानांतरित करने को लेकर चुनाव से पहले राज्य की सियासत तेज हो गई है। पूरे मामले को लेकर विपक्ष सत्तारूढ़ एनडीए सरकार पर हमलावर है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने फिर एक बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और

तेजस्वी यादव का नीतीश कुमार पर वार

भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अगर बिहार के सीएम को इसकी जानकारी थी, तो क्या उन्होंने पीएम और कृषि मंत्री से बात की? एनडीए सरकार पर वार करते हुए तेजस्वी ने कहा कि उनका बिहार से पलायन रोकने का कोई इरादा नहीं है; वे इसे बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। यहां तक कि गिरिराज सिंह ने भी इस बारे में तभी बात की जब मैंने इस बारे में ट्वीट किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की ओर से किसी ने भी इस कदम का विरोध नहीं किया। बिहार को 'पैर पकड़वा मुख्यमंत्री' की जरूरत नहीं है। बिहार को एक ऐसे मुख्यमंत्री की जरूरत है जिसके पास दूरदृष्टि हो और जो निडर होकर बिहार को आगे ले जा सके। यही डबल इंजन सरकार की हकीकत है।

शंभू बॉर्डर पर फिर बढ़ा तनाव

हिरासत में लिए गए डल्लेवाल, पंधेर और कोहाड़ सहित कई किसान नेता

किसान खनौरी और शंभू सीमा की ओर मार्च कर रहे थे, जहां सुरक्षा बलों द्वारा अपनी मांगों को लेकर दिल्ली तक मार्च करने की अनुमति नहीं दिए जाने के बाद प्रदर्शनकारी किसान वहां डेरा डाले हुए हैं। डल्लेवाल और पंधेर के अलावा, अभिमन्यु कोहर और काका सिंह कोटडा जैसे अन्य किसान नेताओं को भी झड़प के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया।

एजेंसी

पंजाब पुलिस ने बुधवार को मोहाली में किसान नेताओं जगजीत सिंह डल्लेवाल और सरवन सिंह पंधेर को हिरासत में ले लिया, क्योंकि किसानों के एक समूह ने खनौरी और शंभू सीमा बिंदुओं पर मार्च करने की कोशिश करते समय सुरक्षा कर्मियों के साथ झड़प की, जहां प्रदर्शनकारी किसान पिछले साल 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं। गौरतलब है कि दल्लेवाल ने जनवरी में चिकित्सा सहायता लेने पर सहमति जताने से पहले 54 दिनों तक अनशन किया था, जब तक कि सरकार 24 फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी पर सहमत नहीं होती।

तंज | ममता बनर्जी पर सुवेंदु अधिकारी का तंज

'हिन्दुस्तान में हिन्दू राज करेंगे , ...तो बांग्लादेश बन जाएगा बंगाल'

एजेंसी

नयी दिल्ली। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) सुवेंदु अधिकारी ने रामनवमी पर तृणमूल सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि भारत में हिंदू शासन करेंगे और 2026 के चुनावों में ममता बनर्जी सरकार जल्द ही सत्ता से बाहर हो जाएगी। विपक्ष के नेता ने इस बात पर भी जोर दिया कि 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले तृणमूल कांग्रेस द्वारा अल्पसंख्यक वोट बैंक को खुश करने और एकजुट करने का प्रयास किया जा रहा है और राज्य के विभिन्न हिस्सों में पुलिस द्वारा रामनवमी को रोकने का प्रयास तृणमूल कांग्रेस द्वारा किया जा रहा है। अधिकारी ने दावा किया, हिन्दुस्तान में हिन्दू राज करेंगे और जो हिन्दुओं के लिए काम करेंगे, वे पश्चिम बंगाल में राज करेंगे। ममता बनर्जी अगर सत्ता में रहीं, तो राज्य की स्थिति बांग्लादेश जैसी हो जाएगी। उनके शासन के दिन अब गिने-चुने रह गए हैं। हिंदू अब एक समुदाय के प्रति उनके खुले आम तुष्टीकरण और रामनवमी उत्सव को कुचलने के प्रयासों को स्वीकार नहीं करेंगे। भाजपा नेता ने कहा कि हिंदुस्तान में हिंदू राज करेंगे और बंगाल में हिंदुओं के कल्याण के लिए काम करने वाले सत्ता में रहेंगे। दिल्ली भाजपा ने जीत ली है और अब बंगाल की बारी है। ममता बनर्जी को मैंने हराया था। 2026 में भवानीपुर में भाजपा उम्मीदवार से फिर हारेगी। उन्होंने दावा किया कि हर बार चुनाव से पहले ममता बनर्जी एक खास समुदाय के वोट बैंक को मजबूत करने के लिए फुरफुरा शरीफ जाती हैं। 2016 में वह दस महीने के भीतर विधानसभा चुनाव होने वाले हैं जो दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं।

दस महीने के भीतर विधानसभा चुनाव होंगे। उन्होंने हिंदू सनातनियों और एससी-एसटी से एक साथ आकर भाजपा को वोट देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ₹बंगाल को बचाना चाहिए। हिंदुत्व पर हमला हो रहा है और सभी को एक साथ आना चाहिए।₹ उन्होंने दावा किया कि इस साल राम नवमी के दौरान बड़े पैमाने पर जश्न मनाया जाएगा। पिछले सप्ताह कहा था कि छह अप्रैल को रामनवमी के अवसर पर राज्य भर में 20,000 से अधिक शोभायात्राएं निकाली जाएंगी। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों की तरह, पिछली दुर्गा पूजा के दौरान राज्य में हिंदू समुदाय के कई पूजा स्थलों में तोड़फोड़ की गई थी।

विपक्ष के नेता ने इस बात पर भी जोर दिया कि 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले तृणमूल कांग्रेस द्वारा अल्पसंख्यक वोट बैंक को खुश करने और एकजुट करने का प्रयास किया जा रहा है और राज्य के विभिन्न हिस्सों में पुलिस द्वारा रामनवमी को रोकने का प्रयास तृणमूल कांग्रेस द्वारा किया जा रहा है।

नई मुसीबत में फंसे सत्येंद्र जैन, एसीबी ने रिश्वत लेने के मामले में दर्ज की एफआईआर

सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17 ए के तहत पूर्व लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री जैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी।

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने बुधवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और पूर्व विधायक सत्येंद्र जैन के खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी के लिए 571 करोड़ रुपये की सीसीटीवी परियोजना के संबंध में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया।

संयुक्त पुलिस आयुक्त (सीपी) और एसीबी के प्रमुख मधुर वर्मा के अनुसार, 7 करोड़ रुपये की रिश्वत लेकर 16 करोड़ रुपये के परिसमाप्त हजार्ने को कथित तौर पर मनमाने ढंग से माफ कर दिया गया। सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17 ए के तहत पूर्व लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री जैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। एसीबी ने कहा, सीसीटीवी लगाने में देरी के लिए 16 करोड़ रुपये का जुमार्ना माफ करने के लिए सत्येंद्र जैन को कथित तौर पर 7 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की व्यवस्था की गई थी। पिछली देरी के बावजूद, भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड (बीईएल) को परियोजना के तहत 1.4 लाख कैमरों के लिए अतिरिक्त ऑर्डर मिले। कथित तौर पर रिश्वत का भुगतान ठेकेदारों के माध्यम से किया गया था, जिन्हें अतिरिक्त ऑर्डर से लाभ मिला।

सम्पादकीय

स्वच्छता अभियान में हो सभी की भागीदारी, सफाई को भी स्कूली काम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए

इस धारणा का अंत करना ही होगा कि शौचालय या सार्वजनिक स्थल पर साफ-सफाई करने से किसी व्यक्ति का सामाजिक रुतबा समाप्त हो जाता है। श्रेष्ठताबोध और हीनता की भावना से जुड़े इस रवैये को बदलना ही होगा। मोदी के अतिरिक्त किसी अन्य नेता में वह क्षमता नहीं जो इस परिवर्तन के अग्रदूत बन सकें। यदि वह ऐसा करने में सक्षम रहेंगे तो इतिहास में उनका अमिट स्थान बन जाएगा। गत दिवस राज्यसभा में यह जानकारी दी गई कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत दशकों पुराने करीब 2,424 कूड़ा स्थलों में से 701 का कूड़ा हटाया जा चुका है, जबकि 1,179 कूड़े के टीलों को समतल करने का काम अभी प्रगति पर है। इससे यह पता चलता है कि स्वच्छ भारत मिशन को सफल बनाने के लिए अभी कितना काम किया जाना बाकी है।स्वच्छता को कोई प्रक्रिया या परिणाम न कहकर संस्कार की संज्ञा देना उचित होगा। इसका ज्ञान मुझे अपने श्वसुर जी से मिला था। उन्होंने मुझे सिखाया था कि गंदा करना हमारा अधिकार है और साफ करना किसी और की जिम्मेदारी, जब तक यह मानसिकता नहीं बदलेगी, तब तक हमारा देश-समाज तरक्की नहीं कर पाएगा।स्वच्छता के संस्कार से मेरा अगला साक्षात्कार मेरी विदेश में नियुक्ति के दौरान हुआ, जहां मैंने पाया कि सार्वजनिक स्थलों और यहां तक कि धनी एवं शक्तिशाली लोगों के यहां साफ-सफाई का जिम्मा किसी एक विशेष सामाजिक वर्ग का नहीं था। कई देशों में तो स्कूल और अभिभावक ही बच्चों को यह शिक्षा देते हैं कि पर्यावरण को स्वच्छ रखना उनकी जिम्मेदारी है।मलेशिया में 1990 से 1993 के बीच नियुक्ति के दौरान मैं भारतीय मूल के एक वकील के संपर्क में आया। वह कुष्ठ निवारण अभियान के साथ भी तन्मयता से जुड़े हुए थे। उन्होंने मुझे एक रोचक वाकया सुनाया। वकालत से पूर्व वह मलेशिया के एक प्रतिष्ठित स्कूल में अध्यापक थे। उस स्कूल में कुलीन परिवारों, जिनमें शाही परिवारों के बच्चे भी शामिल थे, पढ़ते थे।स्कूल में एक व्यवस्था बनी हुई थी कि छात्रों का समूह शौचालयों की भी सफाई करेगा।शिक्षकों का समूह इस गतिविधि की निगरानी करता था, जो खुद बारी-बारी से साफ-सफाई का काम करते थे। ऐसी ही एक स्वच्छता गतिविधि के दौरान उन्होंने देखा कि शाही परिवार से जुड़ा एक बच्चा शौचालय की सफाई नहीं कर रहा था, जबकि उसके समूह के अन्य छात्र स्वच्छता कार्य में जुटे थे। पड़ताल करने पर पता चला कि वह दूसरे छात्रों को पैसे देकर अपने हिस्से की सफाई से बच निकलता था। मेरे मित्र ने उस छात्र को तलब किया।उन्होंने छात्रों को निर्देश दिया कि इस बार समूह का कोई अन्य छात्र सफाई नहीं करेगा और पूरे शौचालय उसी को साफ करने पड़ेंगे, जो अब तक इससे बचता आया था।

आज का विचार

नागपुर का सबक, गड़े मुर्दे उखाड़ने के दुष्परिणाम

नागपुर में हिंसा इसलिए भड़की क्योंकि औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग कर रहे लोगों ने उसकी प्रतीकात्मक कब्र वाली फोटो को जलाया। इसे लेकर ही यह अफवाह फैला दी गई कि उसमें मजहबी नारे लिखे थे। यह नितांत झूठी और शरारत भरी अफवाह थी। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि इसे जानबूझकर फैलाया गया और लोगों को हिंसा के लिए उकसाया गया।

नागपुर में हिंसा के बाद कई क्षेत्रों में कर्फ्यू लगाने की जो नौबत आई, उससे यही पता चलता है कि गड़े मुर्दे उखाड़ने के क्या दुष्परिणाम होते हैं। जैसे औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग उठाकर गड़े मुर्दे उखाड़ने का अनावश्यक काम किया गया, वैसे ही उसे दयालु शासक बताकर भी माहौल बिगाड़ने में ही योगदान दिया गया।इसमें कोई दोराय नहीं हो सकती कि औरंगजेब एक क्रूर, कट्टर और मतांध शासक था, लेकिन उसकी कब्र हटाने की मांग का भी कोई औचित्य नहीं बनता। आखिर ऐसा तो है नहीं कि उसकी कब्र हट जाने से उसके काले कारनामों पर पर्दा पड़ जाएगा अथवा उन अत्याचारों का प्रतिकार हो जाएगा, जो उसने किए।औरंगजेब की कब्र इसी की तो निशानी है कि वहां एक ऐसा शासक दफन है, जो बेहद अत्याचारी था। तथ्य यह भी है कि औरंगजेब अकेला ऐसा मुगल शासक नहीं, जिसने अत्याचार किए हों। आखिर किन-किन मुगल शासकों या अन्य बाहरी आक्रमणकारियों की निशानियों को मिटाने की मांग की जाएगी ?क्या ऐसा करने से उनसे जुड़ी कटु स्मृतियां ओझल हो जाने वाली हैं ? यह समझ आता है कि औरंगजेब का महिमामंडन न होने दिया जाए और जो लोग उसकी सराहना करते रहते हैं, उनका विरोध किया जाए, लेकिन इसका भी अपना एक तरीका होना चाहिए।इसी के साथ यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि संभाजीनगर में औरंगजेब की कब्र एक उपेक्षित स्थल ही है। ऐसा इसीलिए है, क्योंकि मुट्ठी भर लोगों को छोड़कर सभी उसे हिकारत की नजर से ही देखते हैं।नागपुर में हिंसा इसलिए भड़की, क्योंकि औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग कर रहे लोगों ने उसकी प्रतीकात्मक कब्र वाली फोटो को जलाया। इसे लेकर ही यह अफवाह फैला दी गई कि उसमें मजहबी नारे लिखे थे।यह नितांत झूठी और शरारत भरी अफवाह थी।यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि इसे जानबूझकर फैलाया गया और लोगों को हिंसा के लिए उकसाया गया।यह भी लगता है कि इस अफवाह के सहारे उपद्रव करने की तैयारी की गई थी। यदि ऐसा नहीं होता दो घंटे तक आगजनी और तोड़फोड़ नहीं होती रहती। इस उपद्रव में अनेक लोग घायल हुए, जिनमें 30 से अधिक पुलिसकर्मी भी हैं।यह ठीक है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री यह कह रहे हैं कि पुलिसकर्मियों पर हमला करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, लेकिन इसी के साथ उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि कोई किसी भी मामले पर अपनी पसंद-नापसंद प्रकट करते समय बेलगाम न होने पाए।इसी के साथ यह भी समझा जाना चाहिए कि अपने देश में कई ऐसे शासक रहे हैं, जिनका दामन दागदार है अथवा जो विवादित हैं। उनके कार्य-व्यवहार पर बहस के नाम पर ऐसा कुछ नहीं होना चाहिए, जिससे सामाजिक सद्भाव अथवा कानून एवं व्यवस्था के लिए संकट पैदा हो जाए। लिहाजा इस बारे में पुलिस जनजागृति कार्यक्रम करती रहे और घटना के पश्चात इतनी कड़ी कार्रवाई करे, ताकि फिर कहीं और किसी के सिर उठाने की नौबत ही नहीं आए। वहीं, सिविल प्रशासन, न्यायपालिका, मीडिया, सामाजिक संस्थाओं और सियासी दलों को भी पुलिस कार्रवाई का समर्थन करना चाहिए, क्योंकि विधि-व्यवस्था के मामले में समझौता करने का सीधा असर समाज और कारोबार दोनों पर पड़ेगा। इस मामले में बयानबाजी भी सधी होनी चाहिए, ताकि यह और नहीं भड़के। सवाल यह भी है कि क्या इस क्षेत्र में नागरिक-पुलिस समन्वय समिति नहीं थी या फिर वह भी विफल साबित हुई? सवाल बहुत हैं और जवाब सिर्फ यही कि चुस्त-दुरुस्त प्रशासन ही ऐसी घटनाओं को रोक सकता है, अन्यथा जन-धन की अप्रत्याशित क्षति होती रहेगी।कहना न होगा कि नागपुर के महल क्षेत्र में दो समुदायों के बीच भड़काए गए दंगे पर कांग्रेस ने जिस तरह से भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया है, वह एक ओछी राजनीति का परिचायक है, क्योंकि ऐसा नहीं है कि कांग्रेस के शासनकाल में कथित शांतिप्रिय समुदाय ने दंगे नहीं भड़काए। ऐसे में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सरकार की विफलता की जो आलोचना की है, वह उनकी दूषित सियासी मानसिकता का ही परिचायक है।ऐसी विकृत सियासी सोच के चलते ही साम्प्रदायिक दंगे लाइलाज बीमारी बनते जा रहे हैं।जानकारों का कहना है कि सियासी विकृति, प्रशासनिक अकर्मण्यता, न्यायिक विवेकशून्यता और मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक में संपादकीय विवेक के अभाव का ही नतीजा है कि ब्रेक के बाद यत्र-तत्र दंगे भड़क जाते हैं, जिसके बाद शहर में कर्फ्यू लगा दिया जाता है। इंटरनेट पर पाबंदी इस समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि उकसाऊ तत्वों का विधि सम्मत तरीके से सफाया करके ही इस समस्या का सार्थक समाधान किया जा सकता है। लोगों के मुताबिक, जिस तरह से नागपुर के महल इलाके में हिंसा भड़की, भीड़ का पथराव हुआ, भीड़ द्वारा 8 से 10 वाहनों में आग लगा दी गई और ऐसी ही घटनाएं सामने आई हैं, उससे प्रशासन के एक्टिव रहने पर ही सवाल उठता है, क्योंकि उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश न होना पुलिस को जान पर खेलने के लिए विवश करने जैसा है। इसके लिए संसद और सुप्रीम कोर्ट दोनों की अदूरदर्शी भूमिका भी सभ्य समाज के कठघरे में है, क्योंकि राष्ट्र को सुशासन देने की नैतिक जिम्मेदारी इन्हीं दोनों संस्थाओं की है। यदि एक समुचित कानून नहीं बनाने का दोषी है तो दूसरा ऐसे मामलों में स्वतः संज्ञान न लेकर किंकर्तव्यविमूढ़ बने रहने का जो मंचन करता है, वह अस्वीकार्य है।हैरत की बात है कि नागपुर के महल इलाके में दो समुदायों के बीच भड़की हिंसा पर जो राजनीति शुरू हो गई है, उससे घटिया बात कुछ हो ही नहीं सकती ! भले ही कांग्रेस ने इसके लिए भाजपा नीत सरकार को जिम्मेदार ठहराया है, लेकिन उसकी सरकारों ने क्या किया है, उसका अतीत कैसा रहा है, इस बारे में वह कभी नहीं सोचती। कांग्रेस ने जिस तरह से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफलता का आरोप लगाया है, वह एकतरफा आरोप है। चूंकि कांग्रेस या इंडिया गठबंधन की सरकारें अपनी नीतियों से कथित शांतिप्रिय समुदाय को भड़काती रहतीं हैं, इसलिए ऐसी नौबत पैदा होना आम बात है। भले ही कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया है कि सांप्रदायिक सद्भाव के 300 साल के इतिहास वाले शहर में इस तरह की अशांति कैसे हो सकती है ? लेकिन इसकी हकीकत उनसे ज्यादा कौन बयां कर सकता है। एक ओर उन्होंने कुछ राजनीतिक दलों पर अपने फायदे के लिए जानबूझकर तनाव भड़काने का आरोप लगाया, जबकि दूसरी तरफ सांप्रदायिक हिंसा रोकथाम विधेयक 2011 लाकर उनकी पार्टी ने किस तरह एकतरफा नियम बनवाए, वह हैरतअंगेज है। क्या वह अपनी पार्टी की करतूतें भूल चुके हैं ?उनका यह कहना कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के गृहनगर महल में दंगा भड़क गया, एक अस्वीकार्य बयानबाजी है। क्योंकि वहां के हालात इस बात की चुगली कर रहे हैं कि यह एक सुनियोजित साजिश थी क्योंकि उपद्रवियों ने हिंदुओं को चुन चुन कर निशाना बनाया है। ऐसे आरोप टीवी व सोशल मीडिया पर दिखाई-सुनाई पड़ रहे हैं। इसलिए मुझे भी इसमें साजिश की बू आती है क्योंकि वाकई नागपुर का इतिहास 300 साल पुराना है और यहां पहले कभी कोई दंगा नहीं हुआ। यह केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और देवेंद्र फडणवीस जैसे सुलझे हुए नेताओं का गृह क्षेत्र भी है, इसलिए यहां शांति की गारंटी होनी चाहिए।क्योंकि यथा नेता तथा प्रजा वाली कहावत यहां सटीक बैठती थी, इस घटना से पूर्व तक। इसलिए हम उन जैसों से भी यह पूछना चाहते हैं कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों पैदा हुई ? अब भले ही उन्होंने कहा कि बीजेपी केंद्र और राज्य दोनों जगहों पर सत्ता में है, लेकिन कभी कांग्रेस की भी तो सरकारें ऐसे ही केंद्र व राज्य दोनों जगहों में हुआ करती थीं, फिर भी दंगे भड़कते थे। वैसे में आज यदि विहिप और बजरंग दल ने औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया, तो सरकार ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जो पर्याप्त इंतजाम किए थे, वो उपद्रवियों की जाहिल मानसिकता के चलते विफल रहे। जिससे नागपुर शहर के कोतवाली, गणेशपेठ, लकड़गंज, पचपावली, शांतिनगर, सक्करदरा, नंदनवन, इमामवाड़ा, यशोधरा नगर और कपिल नगर पुलिस थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगाने की नौबत आई।वहीं, कांग्रेस ने कुछ राजनीतिक दलों पर अपने हितों के लिए लोगों को भड़काने का जो आरोप लगाया और कहा कि एक खेल खेला जा रहा है और शहर के 300 साल पुराने इतिहास को मुद्दा बनाया जा रहा है। लिहाजा आपलोग इस खेल का शिकार न बनें। क्योंकि शांति बनाए रखना हमारे हित में है। कांग्रेस ने कहा कि कुछ राजनीतिक दल लोगों को भड़काते हैं और सोचते हैं कि इसमें उनका राजनीतिक हित है तो हमें ऐसी कुत्सित राजनीति से बचना चाहिए।

राशिफल

मेष राशि: मेष राशि के जातको के काम काफी मेहनत मशक्कत के बाद पूरे होते दिख रहे हैं. आपको अपने रुके हुए धन की प्राप्ति होने की संभावना है, जिससे आपकी आर्थिक समस्याएं भी दूर होंगी और आपके शत्रु आपको अपनी चतुर बुद्धि से मात देने में कामयाब रहेंगे.

वृषभ राशि: वृषभ राशि के जातकों के लिए कल दिन मिला जुला रहने वाला है. आपको कोई बड़ा आर्डर मिल सकता है, जिससे आपको खुशी होगी.

मिथुन राशि: मिथुन राशि के जातकों के लिए कल दिन सुख समृद्धि लेकर आने वाला है. आपकी भौतिक सुख सुविधा बढ़ेंगी. जीवनसाथी से किसी बात को लेकर कहा सुनी होने की संभावना है.

कर्क राशि ; कर्क राशि के जातकों के लिए कल दिन कुछ नहीं संपर्कों से लाभ लेकर आएगा. आपको यदि कोई शुभ सूचना सुनने को मिले, तो आप उसे आगे न बढ़ाये. आपके परिवार में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा. आपको संतान पक्ष की ओर से कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है. आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह ना बोले.

सिंह राशि: सिंह राशि के जातकों के लिए दिन किसी विपरीत परिस्थिति में धैर्य बनाए रखने के लिए रहेगा और आप किसी प्रॉपर्टी से संबंधित मामले को लेकर काफी टेंशन में रहेंगे, क्योंकि उसमें आपको कोई भारी नुकसान होने की संभावना है.

कन्या राशि : कन्या राशि के जातकों को कल लोगों का समर्थन मिलेगा. सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा. आपके घर किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है. आपके धन आगमन के रास्ते बनेंगे. आपको अपनी ऊर्जा को सही काम में लगाना होगा.

तुला राशि : तुला राशि के जातकों के लिए के लिए कल दिन काफी संघर्षों से राहत दिलाएगा. आर्थिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं. आपको अपने सहयोगियों से कोई बात सोच समझकर कहनी होगी. आपके मन में किसी बात को लेकर टेंशन है, तो वह भी काफी हद तक दूर होगी. जातकों के जीवन में किसी नये मेहमान की दस्तक हो सकती हैं.

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि के जातकों के लिए कल दिन सुखद परिणाम लेकर आएगा. आप अपने घर के रिनोवेशन के बारे में भी प्लानिंग कर सकते हैं. आप किसी से काम को लेकर सलाह ले, तो उसमें अपना दिमाग अवश्य लगाएं.

धनु राशि: धनु राशि के जातकों का मनोबल कल ऊंचा रहेगा. आपको कुछ नए कामों को करने का मौका मिलेगा. आपको एक के बाद एक शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है. आप अपने विरोधियों पर भी विजय प्राप्त करने की कोशिश करेंगे. आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा.

मकर राशि : मकर राशि के जो जातक बैंकिंग क्षेत्रो में कार्यरत हैं, उन्हें अच्छा प्रमोशन मिलने से एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है. आप अपने गुप्त शत्रुओं से सावधानी बरतें. आपका मनोबल भी ऊंचा रहेगा.

कुंभ राशि : कुंभ राशि के जातकों के लिए कल दिन मेहनत से काम करने के लिए रहेगा. आप अपने आवश्यक कामों को पूरा करने की कोशिश मे लगे रहेंगे. किसी नए घर, मकान, दुकान आदि की आप खरीदारी कर सकते हैं. आपका डूबा हुआ धन आपको मिल सकता है.

मीन राशि : मीन राशि के जातको के लिए कल दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. आप अपने कामों को थोड़ा सावधानी से निपटाये और धन संबंधित मामलों में आप बड़े सदस्यों से सलाह मशवरा करके आगे बढ़ेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा. आपको किसी काम को लेकर योजना बनाकर चलना होगा. परिवार में किसी बात को लेकर वाद विवाद खड़ा होने की संभावना है. आपको धैर्य व साहस के साथ अपने कामों को निपटाना होगा.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बच्चों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास में विज्ञान बाल कथाओं की अहम भूमिका

विजय गर्ग

विज्ञान साहित्य को बाल साहित्य में अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। वर्तमान युग विज्ञान का युग है। बच्चें देश का भविष्य हैं। विज्ञान कथाएं और विज्ञान साहित्य बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित कर उन्हें बदलती हुई परिस्थितियों से समायोजन में मदद करता हैं और उनके व्यक्तित्व का विकास करता है ।विजय गर्ग कहते हैं किह्न बाल साहित्य में विज्ञान साहित्य को शामिल करना कितना उचित ह्न

विज्ञान साहित्य कौन- कौन सी विधाओं में लिखा जा रहा है ह्न विज्ञान साहित्य को अलग- अलग विधाओं में लिखा जा सकता है। छोटे रोचक विज्ञान लेख, यात्रा वृतांत, वैज्ञानिकों के संस्मरण, विज्ञान कविता और विज्ञान कथा।

क्या विज्ञान साहित्य विज्ञान के सिद्धांतों को समझने में मददगार हो सकता है के प्रश्न पर गर्ग जी का कहना था ह्न यह अच्छा प्रश्न किया, इसमें कोई संदेह नहीं है। कई बार विज्ञान के सिद्धांत कठिन और नीरस लगते हैं। कक्षा में समझ नहीं आते, लेकिन जब हम इन्हें विज्ञान कथा के माध्यम से समझाते हैं तो इन्हें समझना आसान हो जाता है। विज्ञान साहित्य को पढ़ने से वैज्ञानिक शब्दावली का ज्ञान भी आसानी से होने मदद मिलती है ह्न

ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी कई अंधविश्वास और भ्रांतियों व्याप्त हैं। क्या विज्ञान साहित्य इन्हें दूर करने में सहायक होता है के प्रश्न पर उन्होंने बताया , ह्न विज्ञान साहित्य को पढ़ने से वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होता है। बालक समस्या को पहचान कर उसका मूल कारण खोजता है। अपनी बात को सत्यापित करने के लिए तथ्यों का सहारा लेता है। बालक में अन्वेषण प्रवृत्ति और तर्क शक्ति का विकास होता है ।विज्ञान साहित्य में विज्ञान कथाएँ बच्चों को बहुत लुभाती हैं। बालक के विकास में विज्ञान कथा का क्या योगदान हो सकता है के उत्तर में कहती हैं, ह्न विज्ञान कथाएँ बालक की कल्पनाशीलता को नये आयाम दे सकती हैं। ये शिक्षा प्रक्रिया को रोचक बनाती हैं। विज्ञान कथाएं पढ़ने से बालक की विचार प्रक्रिया सुदृढ़ होगी और दूर दृष्टि का विकास भी होगा ।ह्नविज्ञान कथा के बारे में कुछ और बताएं पूछने पर वे कहते हैं कि विज्ञान कथा भी एक साहित्यिक शैली है जिसमें विज्ञान के तथ्यों पर आधारित कहानियाँ शामिल होती हैं, जो अक्सर भविष्य का परिदृश्य प्रस्तुत करती हैं। इनके द्वारा ब्रह्मांड और दुनिया के अस्तित्व को समझा जा सकता है। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, विज्ञान कथाओं में संभावित वैज्ञानिक सफलताओं और मानव ज्ञान का विकास शामिल होता है। विज्ञान कथाएँ कभी भी दैवीय हस्तक्षेप या अन्य ऐसी ही धारणाओं का खुले तौर पर धार्मिक विषयों से संबंधित नहीं होती हैं ।बाल विज्ञान कथाएं कैसी होनी चाहिएं प्रश्न के जवाब में कहते है कि बाल विज्ञान कथाएं, रोचक शैली में लिखी काल्पनिक कहानियां होती हैं. इनमें सेटिंग और कथानक प्रौद्योगिकी, समय यात्रा, बाहरी अंतरिक्ष या वैज्ञानिक सिद्धांतों के इर्द-गिर्द रहते हैं। पहले पुस्तकें और लघु कथाएँ विज्ञान कथा कहानियों को व्यक्त करने के मूल साधन थे। आज उन्नत तकनीकी और विशेष प्रभावों के बल पर टेलीविजन और सिनेमा 21वीं सदी में विज्ञान कथाओं के लिए प्रमुख माध्यम बन गए हैं। बच्चे आज स्क्रीन पर विज्ञान कथा देख कर रोमांचित होते हैं। विज्ञान कथा साहित्य मनोरंजन प्रदान करने के अलावा वर्तमान समाज की आलोचना भी करता है और विकल्पों की खोज कर सकता है। यह ह्न आश्चर्य की भावनाह्न को प्रेरित कर सकता है ।बाल विज्ञान कथा के कथानक भी बच्चों को आकर्षित करने वाले होने चाहिए इस पर आपकी क्या राय है पूछने पर बताते हैं कि विज्ञान कथा साहित्य में कथानकों की एक विस्तृत श्रृंखला विद्यमान है । अंतरिक्ष, साहसिक यात्राएं, विविध वैज्ञानिक सिद्धांत, भविष्य में वैज्ञानिक आविष्कारों की कल्पना, जैव तकनीकी के अनुप्रयोग, पर्यावरण आदि बाल कथाओं के प्रमुख विषय है। रोबोट , कृत्रिम मनुष्य , मानव क्लोन , बुद्धिमान कंप्यूटर और मानव समाज के साथ उनके संभावित संघर्ष सभी विज्ञान कथाओं के प्रमुख विषय रहे हैं। विज्ञान कथा को कल्पना कथा भी कहा जाता है, क्या वास्तव में यह चमत्कारों की बात करती है प्रश्न के उत्तर में वे कहते हैं कि साहित्य में विज्ञान कथा समय के प्रति संवेदनशील विषय है। आम तौर पर भविष्यवादी, विज्ञान कथाएँ तकनीकी परिवर्तन द्वारा संभव बनाए गए जीवन के वैकल्पिक तरीकों के बारे में अनुमान लगाती हैं, और इसलिए कभी-कभी इसे ह्नकल्पना कथाह्न कहा जाता है। विज्ञान कथा का एक बड़ा लाभ यह है कि यह पाठक के लिए अज्ञात या अप्राप्य ज्ञान के छोटे-छोटे अंश, संकेत और वाक्यांशों को व्यक्त कर सकता हैह्न चमत्कार जो इसमें घटित हो रहे हैं, वे अक्सर भविष्य में सत्य बन जाते हैं। पूर्व में लिखी गई अनेक विज्ञान कथाओं में वर्णित तथ्य आज सत्य साबित हो चुके हैं। असीमोव ने 50 के दशक में बुद्धिमान रोबोट्स की कहानियां लिखी हैं। रे ब्रैडबरी की विज्ञान कथा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता युक्त वस्तुएं आज सत्य हैं। विज्ञान कथा का आकर्षण तर्कसंगत, विश्वसनीय और चमत्कारी के संयोजन में निहित है।

विज्ञान कथा साहित्य से बालक को अन्य क्या लाभ हो सकते हैं पूछने पर वे बताती हैं कि विज्ञान कथाओं में भविष्य के संसार से बच्चों का परिचय होता है। भविष्य में पर्यावरण कैसा होगा, तकनीकी कितनी उन्नत हो जाएगी और इस परिप्रेक्ष्य में समाज का स्वरूप क्या होगा। कौनसी चुनौतियां हमारे सामने आ सकती है, विज्ञान कथाएँ यही बताते है।आप विज्ञान कथा, कविता और अन्य प्रकार लेखन करते हैं बताएं विज्ञान साहित्य कैसा होन चाहिए, इस पर वह कहती विज्ञान साहित्य सरस और रोचक भाषा होना चाहिए। कहानी या लेख बहुत बड़े न हों, साथ में आकर्षक चित्र भी हों। विज्ञान कथा का आधार कोरी कल्पना या फंतासी न हो, वैज्ञानिक तथ्य हों। अंतिम प्रश्न विज्ञान साहित्य पर आपका अनुभव कैसा है क्या इसे साहित्य जगत में साहित्य की श्रेणी में रखते हैं । आपने बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न किया, वैसे तो विज्ञान साहित्य , आम साहित्य जैसा है परंतु विडंबना है कि साहित्य जगत में इसे साहित्य से पृथक कर ही देखने की प्रवृति अधिक है। जब की विज्ञान साहित्य लेखन को बढ़ावा देने के लिए कई विज्ञान पत्रिकाएं भी प्रकाशित होती हैं। विज्ञान साहित्य लेखक होने के नाते चाहूंगा कि आमजन में भी इसे अलग न देख कर साहित्य का ही महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाए। समाचार पत्र भी विज्ञान संबंधी बहुत उपयोगी जानकारी बच्चों को निरंतर देते हैं, वे विज्ञान कथा, कविता और लेखों को भी अपने प्रकाशनों में स्थान देंगे तो और प्रोत्साहन मिलेगा।

पर्यावरण: इंसानी साँसों की कीमत पर विकास, बदहाल जलवायु

संजीव ठाकुर

अपने विकास की क्रमिक उन्नति में मनुष्य ने जितने भी अविष्कार और विकास के कार्य किए हैं सब के सब प्रकृति एवं पर्यावरण के विरोध में ही रहे हैं। भोजन पकाने हेतु जंगल से लकड़ी काटकर धूंआ पैदा करने का काम भी मनुष्य ने ही किया है। इसी क्रम में सबसे बड़ा नुकसान पर्यावरण को औद्योगिकरण की नीति ने किया है, बड़े बड़े उद्योगों से निकलने वाले वैश्विक स्तर पर प्रदूषित वायु अपशिष्ट पदार्थों के साथ नदियों तथा समुंदर में विषैले अपशिष्ट को छोड़ने से शुद्ध जल विषैला होकर जीव जंतुओं को नष्ट करते आ रहा है। इसके पश्चात प्राकृतिक रूप से भी बाढ़, ज्वालामुखी ने प्रकृति तथा पर्यावरण को नष्ट करने का काम बखूबी किया है, पर मानव जाति ने अपने आराम तथा सुविधा के लिए स्कूटर, मोटरसाइकिल, कार और परिवहन के लिए ट्रक और डीजल एवं कोयले से चलने वाली लोकोमोटिव ने प्रकृति तथा पर्यावरण को को नष्ट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। प्लास्टिक तथा पॉलीथिन के अविष्कार ने मानव तथा जीव जंतुओं को सबसे ज्यादा क्षति पहुंचाई है। क्योंकि पॉलिथीन एक ऐसा पदार्थ है जो अत्यंत ज्वलनशील होने के साथ-साथ नष्ट ना होने वाला पदार्थ है जो मनुष्य के साथ जीव जंतुओं के लिए सर्वाधिक नुकसानदायक साबित हो रहा है। इसके अलावा घरों कार्यालयों और कारखानों में लगाए जाने वाले वातानुकूलित यंत्रों से निकलने वाले वायु प्रदूषण के कारण ग्लोबल वार्मिंग बहुत तेजी से बढ़ते जा रही है जो मानव जाति के लिए खुद नुकसानदेह है, किंतु मानव ही पर्यावरण का सबसे बड़ा दुश्मन बन चुका है ।शुद्ध वायु, जल मनुष्य तथा पृथ्वी पर निवास कर रहे जीव जंतुओं तथा हमारी वनों से आच्छादित प्यारी धरती के लिए अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरण की असुरक्षा से धरती असुरक्षित नदियां , असुरक्षित और धरती, जलवायु की असुरक्षा होने से जीव जंतु और मानव जाति का जीवन भी असुरक्षित हो जाएगा, ।हमें इन परिस्थितियों में पर्यावरण की सुरक्षा को प्राथमिक सुरक्षा मानकर इसकी हर संभव शुद्धता एवं परिष्करण पर सबसे ज्यादा ध्यान देना होगा। पर्यावरण से आशय 'पर' यानी मतलब चारों तरफ, और वरण का मतलब ढका हुआ माना गया है। पर्यावरण विदों के अनुसार पर्यावरण का मतलब उस अवस्था से है जो किसी जंतु, प्रकृति और मनुष्य को चारों ओर से ढक कर उसे अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। हम सदैव पर्यावरण को प्रकृति से जोड़कर ही देखते हैं। इसीलिए मानव जीव जंतु वृक्ष सभी को स्वस्थ जीवन देने के लिए एक परिष्कृत पर्यावरण के वातावरण की निरंतर महत्वपूर्ण उपस्थिति आवश्यक होती है, किंतु जब वायु , जल तथा प्रकृति में प्राकृतिक अथवा मानवीय अवांछनीय कार्यों से कुछ ऐसे तत्व वातावरण में प्रवेश कर जाते हैं जिससे हमारी प्रकृति, हमारा पर्यावरण प्रदूषित होने लगता है और माननीय जीवन प्रकृति के साथ नष्ट होने की कगार पर खड़ा होने लगा है। प्रगति और वातावरण यानी की पर्यावरण ने हमें सब कुछ दिया है, स्वच्छ हवा से हमें ऊर्जा, स्वच्छ जल और नवजीवन की उत्प्रेरणा प्राप्त होती है। भोपाल में मिक नामक गैस रिसाव से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ जाने से हजारों लोगों की मृत्यु एवं उसके पश्चात शरीर में अनेक बीमारियों को जन्म दिया, जिस की विभीषिका आज भी भोपाल वासी झेल रहे हैं। इसके पश्चात मई 2020 को आंध्र प्रदेश के पॉलीमर कंपनी द्वारा स्टाइलिन नामक गैस का रिसाव हुआ एवं जून में असम गैस रिसाव से मानव जीवन को प्रभावित कर पूरे पर्यावरण को प्रदूषित कर मानव जाति तथा जीव जंतुओं के संपूर्ण जीवन को दांव पर लगा दिया था। वातावरण को सुरक्षित करने के लिए हमें पर्यावरण को वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, भूमि प्रदूषण, रेडियोधर्मी प्रदूषण, समुद्र प्रदूषण, ई कचरा प्रदूषण, अंतरिक्ष प्रदूषण तथा सबसे खतरनाक प्लास्टिक प्रदूषण से बचा कर रखना होगा।

फरर के गढ़ में हिंदू खतरे में कैसे, फडणवीस बताएं कौन है पीछे? : उद्धव ठाकरे

- उद्धव ठाकरे ने नागपुर हिंसा को लेकर फडणवीस सरकार पर बोला हमला
- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अफवाह को हिंसा का कारण बताया
- ठाकरे ने बीजेपी पर अपनी विफलताओं को छुपाने का आरोप लगाया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने नागपुर हिंसा को लेकर तीखी प्रतिक्रिया जाहिर की है। उन्होंने राज्य की डबल इंजन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं मुख्यमंत्री नहीं हूं, न ही गृह मंत्री हूं, मुख्यमंत्री से पूछिए कि हिंसा के पीछे कौन है। ठाकरे ने इस मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री और गृह मंत्री से जवाब मांगा और कहा कि नागपुर आरएसएस का गढ़ है, वहां हिंदू कैसे खतरे में हो सकते हैं? उद्धव ठाकरे ने नागपुर हिंसा को सुनियोजित बताते हुए आरोप लगाया कि अगर यह पहले से तय था, तो गृह मंत्रालय क्या कर रहा था? उन्होंने सरकार पर अपनी विफलताओं को छुपाने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

बुलडोजर नागपुर में भी चलाएं

उद्धव ठाकरे ने बीजेपी से सवाल करते हुए कहा कि आप कहते हैं कि यह साजिश है, तो यह किसकी साजिश है? क्या यह वही साजिश है, जो गुजरात में जन्मे और महाराष्ट्र पर हमला करने वाले औरंगजेब ने की थी? उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी से मुझे पूछना है कि हमने आपका हिंदुत्व देखा, अगर आपको हरे झंडे से इतनी परेशानी है तो अपने झंडे से हरा कलर हटा के दिखाए। साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश में बुलडोजर अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि वह वही बुलडोजर नागपुर में भी चलाएं।

दोषियों को कब्र से भी खोद निकालेंगे, सीएम फडणवीस ने सख्त कार्रवाई का किया वादा

हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए फडणवीस ने कहा, जिसने भी हमला किया है, हम उसे कब्र से भी निकालेंगे और कार्रवाई करेंगे।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई ,महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को राज्य विधानसभा को संबोधित करते हुए कानून व्यवस्था की स्थिति और नागपुर में हाल ही में हुई हिंसा से जुड़े सवालों का जवाब दिया। प्रशासन के रुख को स्पष्ट करते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ।मेरे और पुलिस आयुक्त के बयान में कोई अंतर नहींमुख्यमंत्री फडणवीस ने दोहराया कि पुलिस आयुक्त (सीपी) ने कहा था कि जांच जारी है और अभी तक कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला गया है। उन्होंने कहा कि मेरे और पुलिस आयुक्त के बयान में कोई अंतर नहीं है ।कब्र से भी दोषियों को निकालेंगेहिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए फडणवीस ने कहा, जिसने भी हमला किया है, हम उसे कब्र से भी निकालेंगे और कार्रवाई करेंगे ।नागपुर में शांति बनी हुई है, 1992 से कोई दंगा नहीं हुआइस बात पर जोर देते हुए कि नागपुर दशकों से शांतिपूर्ण बना हुआ है, मुख्यमंत्री ने कहा कि 1992 से नागपुर में कोई सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ है। कुछ लोगों ने इस बार जानबूझकर हिंसा भड़काने की कोशिश की।

कोई धार्मिक ग्रंथ नहीं जलाया गयाअफवाहों को खारिज करते हुए फडणवीस ने स्पष्ट किया, कोई धार्मिक ग्रंथ आयातित या जलाया नहीं गया। जानबूझकर गलत सूचना फैलाई गई कि एक पवित्र ग्रंथ में आग लगा दी गई है ।कानून व्यवस्था में चुनौतियां, लेकिन उनसे निपटने के लिए प्रतिबद्धकानून व्यवस्था बनाए रखने में चुनौतियों को स्वीकार करते हुए सीएम ने कहा कि कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने में कई चुनौतियां हैं, लेकिन हम उनसे निपटने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। सरकार ने आश्वासन दिया है कि झूठी अफवाहें फैलाने और हिंसा भड़काने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, जांच जारी रहने के कारण नागपुर में शांति बनी हुई है। पुलिस ने तेजी से कदम उठाए और हालात पर काबू पायामुख्यमंत्री फडणवीस ने आगे बताया कि इस मामले में पांच आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। कानून-व्यवस्था को काबू में करने के लिए 11 थाना क्षेत्रों में लोगों के एकत्र होने पर पाबंदी लगा दी गई है। साथ ही, स्थिति को संभालने के लिए स्टेट रिजर्व पुलिस फोर्स (एसआरपीएफ) की पांच टुकड़ियां तैनात की गई हैं।

फास्ट ट्रैक

मध्य रेल की एसी लोकल टास्क फोर्स ने यात्रा के अनुभव को बदला

100% शिकायतों का समाधान किया गया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल के मुंबई मंडल ने यात्रियों की संरक्षा और आराम को प्राथमिकता देते हुए यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एक साहसिक और निर्णायक कदम उठाया, साथ ही अनियमित यात्रा को रोकने और अपने एसी लोकल यात्रियों के मानकों को बनाए रखने के लिए एक अनूठी पहल की ।25 मई 2024 को, मध्य रेल ने उपनगरीय ट्रेनों में अनियमित यात्रा से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए एक समर्पित एसी क्लास टास्क फोर्स की शुरूआत की। यात्रियों की चिंताओं का तुरंत जवाब देने के लिए एक विशेष दल तैनात किया गया है, जिसे समर्पित 24/7 व्हाट्सएप शिकायत नंबर, 7208819987 की सहायता मिली है। यह अभिनव पहल यात्रियों को अनियमित यात्रा की घटनाओं की रिपोर्ट करने की अनुमति देता है, जिससे पीक ऑवर्स के दौरान तत्काल सहायता सुनिश्चित होती है और आवश्यकतानुसार अनुवर्ती कार्रवाई की जाती है ।समर्पित व्हाट्सएप नंबर पर प्राप्त प्रत्येक शिकायत का तुरंत जवाब दिया जाता है। यदि विशेष दस्ता शिकायत में उल्लिखित विशेष अनुभाग में है, तो वे तुरंत कार्रवाई करते हैं, हालांकि यदि दस्ता तुरंत उपलब्ध नहीं है, तो अगले ही दिन कार्रवाई की जाती है ।25 मई-2024 से 10 मार्च-2025 की अवधि के दौरान, इस संख्या के बराबर कुल 8735 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 157 पर तुरंत कार्रवाई की गई, जबकि 8578 शिकायतों का अगले दिन समाधान किया गया, जो शिकायतों का 100% समाधान दर्शाता है। इस सक्रिय प्रवर्तन के कारण शिकायतों में उल्लेखनीय गिरावट आई है, शिकायतों का दैनिक औसत जून-2024 में 79 से घटकर मार्च-2025 में 11 हो गया है। प्रतिदिन प्राप्त होने वाली अधिकतम शिकायतें भी जून-2024 में प्रतिदिन 228 से घटकर दिनांक 10.3.2025 तक 23 हो गई हैं। प्राप्त शिकायतों, की गई कार्रवाई और विशेष दस्तों की तैनाती के गहन विश्लेषण के आधार पर, 25 मई-2024 से 10 मार्च-2025 की अवधि के दौरान एसी लोकल में बिना उचित टिकट के यात्रा करने वाले 82,776 यात्रियों को पकड़ा गया और जुर्माने के रूप में 2.71 करोड़ रुपये की राशि वसूल की गई, यानी प्रतिदिन बिना उचित टिकट के यात्रा करने वाले औसतन 348 यात्री और प्रतिदिन औसतन 1.14 लाख रुपये की वसूली हुई ।इस पहल को यात्रियों से काफी प्रशंसा मिली है, जिन्होंने अपनी प्रीमियम सेवाओं का स्तर बनाए रखने के लिए मध्य रेल द्वारा उठाए गए सक्रिय रुख की सराहना की है ।एसी क्लास टास्क फोर्स के अलावा, मध्य रेल बिना टिकट यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए एसी लोकल में गहन टिकट जांच अभियान चलाता है। इन जाँचों से वित्त वर्ष 2024-25 (9 मार्च-2025 तक) के दौरान एसी लोकल में अनियमित यात्रा के 92,217 मामलों का पता लगाने में मदद मिली है, जिससे 3.03 करोड़ रुपये का जुमार्ना वसूला गया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 40,335 मामलों से 1.33 करोड़ रुपये का जुमार्ना वसूला गया। यह पिछले वर्ष की तुलना में मामलों की संख्या में 128% और जुमार्ना राशि में 126% की वृद्धि दर्शाता है ।विशेष रूप से, मध्य रेल का मुंबई उपनगरीय नेटवर्क प्रतिदिन अपनी 1810 सेवाओं के माध्यम से लगभग 3.9 मिलियन यात्रियों को ले जाता है, जिसमें प्रतिदिन 66 एसी लोकल सेवाएँ शामिल हैं, जो प्रतिदिन लगभग 78000 यात्रियों को ले जाती हैं ।मध्य रेल के मुंबई मंडल का लक्ष्य एसी लोकल कोच में अनियमित यात्रा के संबंध में शून्य शिकायतें प्राप्त करना है। नियमित जांच के साथ-साथ समर्पित व्हाट्सएप शिकायत नंबर की शुरूआत ने इस उद्देश्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण रूप से सहायता की है ।यात्रियों को अनियमित यात्रा के किसी भी मामले की रिपोर्ट करने के लिए व्हाट्सएप शिकायत नंबर, 7208819987 का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यात्री कृपया ध्यान दें कि समर्पित नंबर केवल दिए गए नंबर पर समस्या को संदेश देने के लिए है और उस पर कोई फोन कॉल नहीं किया जा सकता है ।मध्य रेल अपने यात्रियों से किसी भी असुविधा से बचने के लिए उचित टिकट के साथ सम्मान से यात्रा करने की अपील करता है।

मुंबई में देश का पहला इंटरनैशनल क्रूज टर्मिनल बनकर तैयार

☞ मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने भारत के पहले इंटरनेशनल क्रूज टर्मिनल को लगभग तैयार कर लिया है। अगले कुछ सप्ताह में इसका उद्घाटन किया जाएगा। यह टर्मिनल हर साल दस लाख यात्रियों को संभाल पाएगा और विदेशी सैलानियों को आकर्षित करने की योजना है। यह

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : देश का पहला इंटरनेशनल क्रूज टर्मिनल तैयार करने का काम मुंबई पोर्ट ट्रस्ट (बीपीटी) ने तकरीबन पूरा कर लिया है। आगामी कुछ सप्ताह में साऊथ मुंबई में बने क्रूज टर्मिनल का आधिकारिक उद्घाटन किया जाएगा। टर्मिनल का उद्घाटन करने से पहले बीपीटी ने टर्मिनल ने लगे सिस्टम की ट्रायल का काम शुरू कर दिया है। ट्रायल के माध्यम से सिस्टम की जांच कर खामियों की पहचान कर उसको दूर करने का काम चल रहा है। मुंबई को देश का क्रूज हब के तौर पर विकसित करने के लिए 4 लाख फीट परिसर में क्रूज टर्मिनल का निर्माण किया गया है ।यह टर्मिनल हर साल 500 क्रूज के साथ 10 लाख यात्रियों को हैंडल कर सकता है। क्रूज टर्मिनल को विकसित कर सरकार ने देशी और विदेशी सैलानियों को आकर्षित करने का प्लान तैयार किया है ।इंटरनेशनल क्रूज की संख्या बढ़ीबीते कुछ सालों में मुंबई में आने वाले इंटरनेशनल क्रूज की संख्या में इजाफा हुआ है। मौजूदा समय में हर साल करीब 50 इंटरनेशनल क्रूज मुंबई पहुंच रही है। हर साल सैकड़ों डोमेस्टिक क्रूज की आवाजाही होती है। टर्मिनस के खुल जाने से मुंबई में आने वाली क्रूज की संख्या में तेजी से इजाफा होने की उम्मीद है।

तीन मंजिला टर्मिनल

वॉटर ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए ग्राउंड प्लस तीन मंजिला टर्मिनल तैयार किया जा रहा है। ग्राउंड फ्लोवर और पहली मंजिल का इस्तेमाल देशी और विदेशी यात्रियों को हैंडल करने के लिए किया जाएगा। जबकि दूसरे और तीसरे मंजिल को किराए पर दिया जाएगा। 4 लाख फीट परिसर में बन रहे टर्मिनल के 2 लाख फीट के क्षेत्र को कमर्शियल इस्तेमाल के लिए देकर 15 से 20 साल के भीतर लागत वसूलने की योजना तैयार की है ।टर्मिनल तैयार करने के बाद उसके संचालन का जिम्मा बीपीटी द्वारा निजी ऑपरेटर को दिया जाएगा। ट्रस्ट ने ऑपरेटर की चयन प्रक्रिया पूरी कर ली है। बीपीटी अधिकारी के मुताबिक, टर्मिनस के भीतर फाइनल टच और ट्रायल का कार्य चल रहा है। जल्द ही क्रूज टर्मिनल का आधिकारिक उद्घघाटन किया जाएगा। टर्मिनस के भीतर यात्री काउंटर, कस्टम, इमिग्रेशन काउंटर और अन्य ऑफिस तैयार किए गए हैं ।बीपीटी ने टर्मिनल का संचालन करने वाले ऑपरेटर के साथ 30 वर्ष का करार किया है। वहीं, डिपॉजिट मनी के तौर पर 30 करोड़ रुपये जमा करवाए हैं। वहीं, उस से हर साल 5 करोड़ रुपये का किराया लिया जाएगा। किराए में हर साल 5 फीसदी की बढ़ोतरी की जाएगी। टर्मिनल के निर्माण पर बीपीटी द्वारा 300 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

औरंगजेब कब्र विवाद के बीच हिंदू तालिबान का जिक्र

- सामना के संपादकीय में 'हिंदू तालिबान' शब्द पर विवाद बढ़ा
- शिकायतकर्ता ने हिंदू समुदाय का अपमान होने का आरोप लगाया
- औरंगजेब की कब्र को लेकर महाराष्ट्र में सियासत गरमाई है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र को लेकर विवाद लगातार जारी है। नागपुर में हिंसा हुई और सियासत शुरू हो गई। अब सियासत उद्धव गुट की शिवसेना के मुखपत्र सामना के संपादकीय को लेकर गरमाई है। इसमें शिवाजी और औरंगजेब पर लिखे गए संजय राउत के संपादकीय में हिंदू तालिबान शब्द का प्रयोग किया गया है, जिस पर घमासान छिड़ गया है। इस मामले में बुलढाणा जिले के खामगांव शहर पुलिस स्टेशन में सामना के संपादक उद्धव ठाकरे, प्रबंध संपादक संजय राउत और प्रकाशक सुभाष देसाई के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है ।शिकायतकर्ता शेखर त्र्यंबक जोशी शिकायत में कहा कि सामना के संपादकीय में हिंदू तालिबान शब्द का इस्तेमाल कर हिंदू समुदाय का अपमान किया गया है। उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने पुलिस से मांग की है कि इस मामले में तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाए।

शिकायत में क्या आरोप?

औरंगजेब की कब्र को लेकर महाराष्ट्र में पहले से ही विवाद चल रहा है। इसी संदर्भ में सामना के संपादकीय में हिंदुत्व की एक विचारधारा पर टिप्पणी की गई। इसमें हिंदू तालिबान शब्द का प्रयोग किया गया। इस पर हिंदू संगठनों ने आपत्ति जताई है और इसे हिंदू समाज का अपमान बताया है। शेखर जोशी ने कहा कि सामना अखबार ने हिंदू समाज को बदनाम करने का प्रयास किया है। हिंदू तालिबान जैसे शब्दों का प्रयोग करके हिंदुओं की छवि खराब करने की कोशिश की गई है। यह असहनीय है और हम इस पर संजय राउत और उद्धव ठाकरे के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हैं। खामगांव शहर पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

औरंगजेब की कब्र का विवाद क्या?

महाराष्ट्र के संभाजी नगर में औरंगजेब का मकबरा है। औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर सियासत गरमाई है। इस मामले को लेकर दो समुदाय आमने-सामने आ गए हैं। एक समुदाय की मांग है कि औरंगजेब की कब्र को हटा देना चाहिए, जिसे लेकर दूसरे समुदाय की तरफ से बयानबाजी हो रही है। इसी बीच, औरंगजेब की कब्र के आस-पास सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है।

सामना ने क्या लिखा?

औरंगजेब की कब्र महाराष्ट्र की अस्मिता और जुझारू पराक्रम का स्मारक है। औरंगजेब की कब्र महाराष्ट्र के शौर्य का प्रतीक है। यह महाराष्ट्र की जिद और मुगलों की पराजय का प्रतीक है।

गंगनहर पटरी पर सड़क हादसा

बाइक सवार सफाई कर्मचारी की मौत, परिजनों ने थाने पर किया हंगामा

मोदीनगर, गंगनहर पटरी पर सालेनगर पीर के पास रात सवा ग्यारह बजे एक सड़क हादसे में सफाई कर्मचारी की मौत हो गई। मृतक की पहचान डिड़ौली निवासी 45 वर्षीय पवन कुमार के रूप में हुई है। वह जिला पंचायत विभाग में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत थे। पवन कुमार अपनी पुत्री से मिलने मेरठ के सरधना गए थे।

महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के प्रतिष्ठित पुरस्कारों का वितरण समारोह रहा गरिमापूर्ण

सांस्कृतिक कार्यमंत्री आशीष शेलार की घोषणा- भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से दिया जायेगा विशेष भाषा शिखर सम्मान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई ।महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी जल्दी ही भारतरत्न और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में विशेष भाषा शिखर साहित्य सम्मान प्रदान करेगी। यह सम्मान हिंदी साहित्य में अतुलनीय योगदान देने वाले मूर्धन्य साहित्यकार को प्रदान किया जायेगा। यह महत्वपूर्ण घोषणा महाराष्ट्र सरकार के पर्यटन एवं सांस्कृतिक कार्य मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार ने महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए की। यह गरिमापूर्ण समारोह मुंबई के बांद्रा स्थित रंग शारदा सभागार में मंगलवार, 18 मार्च, 2025 की शाम सम्पन्न हुआ, जिसमें वर्ष 2024-25 के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कार वितरित किये गये। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार ने इस मौके पर अपने सम्बोधन में कहा कि महाराष्ट्र की भूमि मराठी के साथ-साथ हिंदी साहित्य और भाषा के संवर्धन के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र देश का केवल एकमेव ऐसा राज्य है, जहाँ दस भाषाओं की अकादमियाँ सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इन सभी भाषाओं के संवर्धन हेतु महाराष्ट्र सरकार अधिकाधिक प्रयास करती दिखेगी। शेलार ने कहा कि भाषा समाज को जोडने और संस्कारों के संवर्धन का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसलिए अच्छे बाल साहित्य की निर्मिती पर अधिक जोर दिया जाना चाहिये, ताकि हमारी आने वाली पीढी भी छत्रपति संभाजी राजे और तारा रानी जैसे महानायकों तथा भारत की समृद्ध एवं अनमोल धरोहर से परिचित हो सके। इस अवसर पर सभी का स्वागत करते हुए महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के कार्याध्यक्ष डॉ. शीतला प्रसाद दुबे ने अकादमी की विभिन्न गतिविधियों और योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस समारोह में कुल 46 साहित्यकारों को सम्मानित किया जा रहा है और विशेष उल्लेखनीय बात यह है कि इस साल से विभिन्न पुरस्कारों की राशि दो गुना कर दी गई है। इसके फलस्वरूप सर्वोच्च पुरस्कार दो लाख रुपये का दिया जा रहा है। कार्याध्यक्ष डॉ. दुबे ने पुरस्कार राशि में इस उल्लेखनीय बढ़ोतरी के लिए महाराष्ट्र सरकार का आभार व्यक्त किया। पुरस्कार वितरण समारोह की शुरूआत सांस्कृतिक राज्य मंत्री और विभिन्न गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और महाराष्ट्र राज्य गीत के साथ हुई। इस अवसर पर पुण्य श्लोका अहिल्यादेवी होलकर की 300 वीं जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में सुरुचिपूर्ण नाटक के प्रभावशाली मंचन ने सभी को अभिभूत कर दिया। बाद में सांस्कृतिक कार्य मंत्री और अन्य अतिथिगणों द्वारा विभिन्न पुरस्कारों का वितरण किया गया। इस वर्ष अखिल भारतीय सम्मान जीवन गौरव पुरस्कारों में महाराष्ट्र भारती अखिल भारतीय हिंदी सेवा पुरस्कार के लिए सुप्रसिद्ध साहित्यकार रामकृष्ण सहस्त्रबुद्धे तथा डॉ. राम मनोहर त्रिपाठी अखिल भारतीय हिंदी सेवा पुरस्कार के लिए सुप्रसिद्ध साहित्यकार प्रो. (डॉ.) श्रीराम परिहार को सम्मानित किया गया। राज्य स्तरीय सम्मान जीवन गौरव पुरस्कारों के अंतर्गत छत्रपति शिवाजी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार राजेश कुमार मिश्र उर्फ राजेश विक्रांत को, साने गुरुजी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार ऋषिकुमार मिश्र को, पद्मश्री अनंत गोपाल शेवडे हिंदी सेवा पुरस्कार डॉ. संजय सिंह को, डॉ. उषा मेहता हिंदी सेवा पुरस्कार डॉ. सुष्मिता भट्टाचार्य को, गजानन माधव मुक्तिबोध मराठी भाषी हिंदी लेखक पुरस्कार प्रो (डॉ.) विजयकुमार रोडे को, कांतिलाल जोशी इतर हिंदी भाषी हिंदी लेखक पुरस्कार गीता माणेक को, व्ही. शांताराम ललित कला हिंदी विशिष्ट सेवा पुरस्कार अखिलेंद्र मिश्र को तथा सुब्रमण्य भारती हिंदी सेतु विशिष्ट सेवा पुरस्कार शीला डोंगरे को प्रदान किया गया। इनके अलावा अकादमी के 14 विधा पुरस्कारों के अंतर्गत कुल 36 साहित्यकारों को विभिन्न पुरस्कार प्रदान किये गये। आई पी एस अधिकारी कृष्ण प्रकाश और उद्योगपति राजेंद्र सिंह को भी उनकी उत्कृष्ट साहित्यिक कृतियों के लिए सम्मानित किया गया। इस समारोह में मंच पर सांस्कृतिक कार्य मंत्री और कार्याध्यक्ष के अलावा महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी की उपाध्यक्षा डॉ. श्रीमती मंजू लोढ़ा, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सुधाकर मिश्र, फिल्म सिटी के पूर्व उपाध्यक्ष अमरजीत मिश्र, वरिष्ठ आर टी आई एक्टिविस्ट अनिल गलगली और वरिष्ठ पत्रकार विमल मिश्र विराजमान थे। सभागार में महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के सभी सदस्यों और पुरस्कार विजेताओं के परिजनों सहित बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी शामिल हुए ।समारोह का सुरुचिपूर्ण सूत्र संचालन वरिष्ठ मंच संचालक आनंद प्रकाश सिंह और वरिष्ठ टीवी पत्रकार प्रसाद काथे द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अंत में अकादमी के सदस्य सचिव और सह निदेशक सचिन निंबालकर ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। इस अविस्मरणीय समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

माननीय रेल मंत्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज के सम्मान में भारत गौरव सर्किट यात्रा की घोषणा की

माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने छत्रपति शिवाजी महाराज के सम्मान में विशेष भारत गौरव सर्किट यात्रा की घोषणा की है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

संसद के लोकसभा सत्र के दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज के संबंध में उठाए गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए श्री वैष्णव ने बड़े गर्व के साथ कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और समय से जुड़े महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थानों को जोड़ने की योजना पर काम पहले से ही प्रगति पर है और इन स्थानों को भारत गौरव सर्किट यात्रा द्वारा एक साथ जोड़ा जाएगा। छत्रपति शिवाजी महाराज ने हिंदवी स्वराज की नींव रखी। महाराष्ट्र/ कर्नाटक का परिदृश्य छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और समय से जुड़े कई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थानों जैसे किलें, महल, युद्ध के मैदानों आदि से पूर्ण है। विशेष भारत गौरव सर्किट यात्रा यात्रियों, विशेषकर युवाओं को मातृभूमि के इतिहास से जुड़ने का मौका देगी और इन स्थानों पर जाने और देखने का अवसर प्रदान करेगी जो समृद्ध मराठा इतिहास का हिस्सा हैं ।पुणे के लिए ट्रेनों की मांग पर बोलते हुए, श्री वैष्णव ने कहा, पुणे एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक और तकनीकी केंद्र है और महाराष्ट्र को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शन है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि देश के सभी कोनों से पुणे के लिए ट्रेनों के लिए अनुरोध आ रहे हैं। पुणे स्टेशन और उसके आस-पास के स्थानों के विकास का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। इसके अलावा पुणे से थोड़ी दूरी पर स्थित उरुली स्टेशन को टर्मिनस के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहाँ पुणे में यात्रियों के उतरने के बाद पुणे जाने वाली ट्रेनों का रखरखाव किया जा सकेगा, जिससे पुणे स्टेशन पर ट्रेनों और यात्रियों की भीड़ का बोझ कम होगा ।इसी तरह हडपसर और शिवाजी नगर जैसे स्टेशनों को भी सैटेलाइट टर्मिनस स्टेशनों के रूप में विकसित किया जा रहा है। इससे पुणे स्टेशन की क्षमता बढ़ेगी और पुणे से/के लिए ट्रेनों की संख्या में वृद्धि होगी।

आईएएस अधिकारी आंचल गोयल बनीं मुंबई की कलेक्टर

- संजय यादव के तबादले के बाद से खाली था कलेक्टर का पद
- 2014 की बैच कअर ऑफिसर अभी तक नागपुर में थी तैनात

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई वाली सरकार ने 2014 बैच की आईएएस ऑफिसर आंचल गोयल को मुंबई शहर का नया कलेक्टर नियुक्त किया है। पिछले महीने संजय यादव के ट्रांसफर के बाद कलेक्टर का पद खाली थी। आंचल गोयल अभी तक कई दायित्व संभाल चुकी हैं। मुंबई शहर का कलेक्टर बनना उनके लिए बड़ी जिम्मेदारी है। आंचल से पहले इस पर महिला आईएएस अधिकारी शरवरी गोखले, वलसा नायर सिंह, अश्विनी जोशी, आईए कुंदन, शैला ए और संपदा मेहता कलेक्टर के दायित्व को निभा चुकी हैं। बीएमसी चुनावों को देखते हुए यह फैसला काफी अहम माना जा रा है ।मुंबई पुलिस में हैं पतिआंचल गोयल की शादी पति निमित गोयल मुंबई पुलिस में डीसीपी हैं। वे 2014 के आईपीएस है।

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापुर, भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी और से निम्नलिखित कार्यों के लिये ई-निविदये आमंत्रित करते है। **निविदा क्र.: 05-2025 SrDENS. कार्य का नाम:** Repairs of quarters under Pakni (PK), Hotgi (HG), Tilati (TLT), Hirenandueu (HQR), Shahabad (SDB) & Wadi (WD siding in DD-WD section over Solapur division. **अनुमानित लागत:** रु. 4,64,99,558.27. **बयाना रक्कम:** रु. 3,82,500/-. **समापन की अवधी:** 12 Months. **अनुरक्षण की अवधी:** 12 Months. **www.ireps.gov.in इस वेब साईट पर टेंडर अपलोड करणे कि अंतिम दिनांक और समय:** 07.04.2025 को 15:00 बजे तक। **www.ireps.gov.in इस वेब साईट पर टेंडर खुलने का दिनांक और समय:** 07.04.2025 को 15:30 बजे। निविदाकारोंसे निवेदन हैं की कोई बदलाव / शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिये Website: **www.ireps.gov.in** पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेंट दे।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), मध्य रेल, सोलापुर

DE/Sur-51

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

पश्चिम रेलवे - भावनगर मंडल

विभिन्न इंजीनियरिंग कार्य

क्र.सं.	ई-निविदा सं. एवं कार्य का नाम	निविदा मूल्य (रु.)	ईएमडी रु.
1	**234-2024-25** धासा-पीपावाव खंड में ट्रैक पर शेर / वन्यजीवों की आवाजाही के लिए 5 अंडरपास का प्रावधान।	9,98,16,003.66	6,49,100.00
2	**235-2024-25** सीनियर डीईएन (केंद्रीय) क्षेत्राधिकार: प्रमुख एवं महत्वपूर्ण पुलों पर टीआरआर(पी) 2.088 टीकेएम। प्रमुख एवं महत्वपूर्ण पुलों पर टीआरआर(पी) 20.808 टीकेएम की मंजूरी के विरुद्ध कार्य।	27,47,536.36	55,000.00
3	**236-2024-25** विभिन्न स्वीकृत कार्यों के लिए जेतलसर डिपो पर 31017.08 घन मीटर गिट्टी की आपूर्ति 1) भावनगर डिवीजन - आईएसडी द्वारा लूप लाइनों को मजबूत करना (डीप स्क्रीनिंग के साथ) और एलडब्ल्यूआर -51.470 टीकेएम में रूपांतरण 2) राजुला - महुवा - (एसएल)- टीआरआर (पी) - 12.000 टीकेएम 3) भावनगर डिवीजन - टीआरआर (पी) - 20.808 टीकेएम प्रमुख और महत्वपूर्ण पुलों पर 4) राजकोट-जेतलसर खंड: वीरपुर, गोंडल, रिबड़ा और जेतलसर जंक्शन पर यार्ड का सुधार और उन्नयन।	3,92,98,112.45	3,46,500.00
4	**237-2024-25** भावनगर टर्मिनस: विभिन्न स्थानों पर एआरटी/एआरएमई और स्पार्ट के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाओं और उपकरणों के स्वीकृत कार्य के संबंध में सिविल कार्य।	73,36,543.34	1,46,700.00
5	**238-2024-25** डीईएन (पूर्व) क्षेत्राधिकार: स्वीकृत कार्य के विरुद्ध प्रमुख एवं महत्वपूर्ण पुलों पर टीआरआर (पी) 4.918 टीकेएम भावनगर डिवीजन: प्रमुख एवं महत्वपूर्ण पुलों पर टीआरआर (पी) 20.808 टीकेएम।	64,91,911.74	1,29,800.00
6	**239-2024-25** भावनगर डिवीजन: 2 से 4 डिग्री वक्र पर SWR को LWR में रूपान्तरित करना।	55,05,681.80	1,10,100.00
7	**240-2024-25** भावनगर मंडल: ढोला-भावनगर खंड: 06 स्थानों पर यार्डों में सुधार।	5,53,25,510.19	4,26,600.00
8	**241-2024-25** (1) जेतलसर-वांसजालिया खंड के स्वीकृत कार्य के विरुद्ध एडीईएन-पोरबंदर खंड के अंतर्गत ट्रैक संबंधी कार्य: 5 स्थानों पर यार्ड में सुधार। (2) कनालूस-पोरबंदर खंड 05 स्थानों पर यार्ड में सुधार	6,69,27,829.17	4,84,600.00
9	**242-2024-25** (1) कनालुस-पोरबंदर खंड के स्वीकृत कार्य के विरुद्ध अधिकार क्षेत्र एडीईएन पोरबंदर के अंतर्गत विभिन्न यार्ड में यार्ड ड्रेन का निर्माण:- 5 स्थानों पर यार्ड में सुधार।	3,75,46,567.40	3,37,700.00
10	**243-2024-25** भावनगर पारा बीजी कार्यशाला में गड्ढों के लिए इपॉक्सी कोटिंग के साथ मरम्मत और बोगी शॉप और आईओएच शेड आदि में 3 मिमी मोटाई की इपॉक्सी फ़्लोरिंग।	61,24,371.00	1,22,500.00

उपरोक्त सभी निविदाओं के लिए: बोली प्रारंभ होने की तिथि: 26/03/2025 **बोली बंद होने की तिथि:** 09/04/2025 एनआईटी रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर **दिनांक : 18/03/2025** को अपलोड कर दी गई है।

220

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

ठाणे और मुलुंड के बीच नए रेलवे स्टेशन के काम में तेजी लाई जाए :नरेश म्हस्के

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश को भारतीय रेलवे से जोड़ा जा रहा है। वहीं, पिछले एक दशक के दौरान महाराष्ट्र के रेलवे विकास में ऐतिहासिक बदलाव हुए हैं। ठाणे लोकसभा से सांसद नरेश म्हस्के ने मांग की कि ठाणे और मुलुंड स्टेशन के बीच नए रेलवे स्टेशन के काम में तेजी लाई जाए। दिवा-रत्नागिरी पैसेंजर ट्रेन को दादर तक फिर से शुरू किया जाए। सभी कोंकण ट्रेनों को दिवा स्टेशन पर रोका जाए। कल्याण-पुणे लोकल, दिवा-वसई लोकल सेवा बढ़ाई जाए। रेलवे कर्मचारियों के लिए आरक्षित विशेष ट्रेनों में वरिष्ठ नागरिकों और छात्रों के लिए कुछ सीटें आरक्षित की जाएं। इस तरह की उन्होंने संसद में उठाया है। लोकसभा में रेल मंत्रालय से संबंधित रियायती मांगों पर चर्चा करते हुए, ठाणे लोकसभा सांसद नरेश म्हस्के ने ठाणे, कल्याण, भिवंडी, पालघर लोकसभा क्षेत्रों में रेल यात्रियों की कठिनाइयों और सुविधाओं के साथ-साथ नई ट्रेनें शुरू करने के संबंध में मांग की। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल सिर्फ एक यात्रा सुविधा नहीं है, यह भारत की प्रगति की गति है। एक ठाणे के नागरिक के रूप में, इस मंत्रालय के लिए मेरे दिल में एक विशेष स्थान है। क्योंकि करीब 172 साल पहले भारत की पहली रेलवे मुंबई और ठाणे के बीच चली थी। वह ऐतिहासिक क्षण आज भी ठाणे के नागरिकों की स्मृतियों में जीवित है। अब 170 साल बाद देश की पहली बुलेट ट्रेन भी ठाणे से होते हुए मुंबई जा रही है। दिलचस्प बात यह है कि मुंबई-ठाणे के बीच देश की पहली "अंडर सी टनल" बनाने का ऐतिहासिक काम शुरू हो गया है। अब तक दुनिया में केवल पांच देशों के पास ही यह उन्नत तकनीक थी, लेकिन अब भारत भी उस सूची में शामिल हो गया है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और पूरे रेलवे विभाग के अथक प्रयासों से संभव हुआ। इसके लिए सांसद नरेश म्हस्के ने उनकी सराहना की।

नागरिक सुविधाएं उपलब्ध होने तक नए निर्माण पर रोक लगाने की मुख्यमंत्री से मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे शहर में नागरिक सुविधाओं का बोझ बढ़ रहा है और मनपा आम नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने में विफल रही है। इस पृष्ठभूमि में, भाजपा के पूर्व नगर सेवक नारायण पवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस को लिखे पत्र में मांग की है कि ठाणे मनपा सीमा के भीतर नए वाणिज्यिक परिसरों, आवासीय भवनों और आवासीय परिसरों के निर्माण की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। ठाणे के नागरिकों की वर्तमान स्थिति पर भी ध्यान देने का अनुरोध किया गया है। ठाणे मनपा क्षेत्र की जनसंख्या 25 लाख तक पहुंच गई है, और 2025-26 के लिए ठाणे नगर निगम का बजट 5 हजार 645 करोड़ रुपये हो गया है। लेकिन, शहरवासियों को कम से कम नागरिक सुविधाएं नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। चूंकि मनपा नागरिकों को पेयजल, स्वास्थ्य, स्वच्छता, अच्छी सड़कें आदि जैसी आवश्यक नागरिक सुविधाएं प्रदान करने में लगातार विफल हो रहो है, इसलिए नए आने वाले नागरिकों को धोखा नहीं दिया जाना चाहिए। साथ ही, नारायण पवार ने राय व्यक्त की कि मौजूदा नागरिक सुविधाओं पर दबाव कम करने के लिए शहर में नए निर्माण पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता है। शहर में माफियाओं से मिली जमीन पर अवैध इमारतें खड़ी की जा रही हैं। आम नागरिकों को धोखा देकर मकान दिया जा रहा है। पिछले 42 वर्षों में पेयजल के लिए ठाणे मनपा एक स्वतंत्र जलाशय बांध का निर्माण नहीं कर पाया है। इसके कारण पानी की भारी कमी हो गयी है और मुख्य शहर समेत घोड़बंदर रोड, दिवा में दूषित पानी बेचकर नागरिकों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। शहर के कई हिस्से ट्रैफिक जाम से जूझ रहे हैं और मुख्य सड़कों और चौराहों पर फेरीवालों का कब्जा हो गया है। मनपा प्रशासन इन रेहड़ी-पटरी वालों पर कार्रवाई करने से कतरा रहा है। पिछले एक हफ्ते से ठाणे शहर के हर कोने में कूड़े का ढेर लगा हुआ है, जबकि शहर में पानी की भारी कमी है। राज्य सरकार ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए ठाणे मनपा को 18 एकड़ भूमि आवंटित की। लेकिन मनपा प्रशासन उस स्थान पर ठोस कचरे की व्यवस्था नहीं कर पाया। ठाणे शहर के नागरिकों के लिए कोई सक्षम स्वास्थ्य सेवा नहीं है। मनपा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल के कामकाज को सीमित कर दिया गया है। नारायण पवार ने पत्र में कहा है कि अस्पताल 'कोमा' में चला गया है और चिकित्सा कर्मचारियों की लगातार मांग के बावजूद मनपा प्रशासन रिक्त पदों को नहीं भर रहा है। इस स्थिति से ठाणे शहर के नागरिक हैरान हैं। ऐसे में अगर ठाणे मनपा क्षेत्र की आबादी और बढ़ती है तो नागरिक सुविधाओं पर भारी दबाव पड़ेगा। इसलिए ईमानदारी से कर चुकाने वाले नागरिकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़े गा। अतः जब तक ठाणे शहर के नागरिकों को संपूर्ण नागरिक सुविधाएं नहीं मिल जाती, तब तक ठाणे मनपा क्षेत्र में नये निर्माण की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। साथ ही नारायण पवार ने पत्र में मांग की है कि चल रहे अवैध निर्माण को तुरंत तोड़ने के लिए उचित निर्देश दिए जाएं जिससे आम नागरिकों की गाढ़ी कमाई के पैसों की बबार्दी रोकी जा सके।

फास्ट ट्रैक

यूपीएससी कोचिंग सेंटर पुनः शुरू कराने की राज्यसभा में इमरान प्रतापगढ़ी ने उठाई मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , हज हाउस में 2009 से चलने वाला रेज़िडेंशियल कोचिंग सेंटर पिछले दिनों बंद करने का मुद्दा राज्यसभा में उठाते हुए सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने देश में उन सभी सेंटरों को पुनः शुरू करने की मांग की है। उन्होंने की जब सरकार का कोई पैसा इन कोचिंग सेंटरों के खर्च नहीं होता तो इन्हें बंद क्यों किया है। यह हाजियों के पैसे से चलता है तो इससे तकलीफ क्या है। उन्होंने देश सभी हज हाउसों में कोचिंग सेंटर शुरू करने और सीटें बढ़ाने की मांग उठाया है।सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का स्मरण करते हुए कहा कि हजारों छात्रों को इस कोचिंग के बंद होने का कारण तक नहीं बताया गया। ये सेंटर सरकार के फंड से नहीं बल्कि हज यात्रियों द्वारा जमा की गई धनराशि के कॉर्पस से चलता था। इन कोचिंग सेंटरों से गरीब अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को लाभ मिल रहा था जो महंगे कोचिंग का खर्च सहन नहीं कर सकते। उन्होंने सरकार की मंशा पर सवाल उठाया है। उन्होंने पूरे देश में चलने वाले उन सेंटरों को पुनः शुरू करने की केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय से मांग की। इमरान प्रतापगढ़ी ने राज्यसभा में इस कोचिंग सेंटर को फिर से शुरू करने की मॉग उठाकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया है।उन्होंने कहा कि सच्चर कमेटी की सिफारिशों के मद्देनजर तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 2009 में यूपीएससी रेजिडेंशियल कोचिंग अकादमी शुरू किया। जिसके तहत हज हाउस मुंबई में सेंटर शुरू किया था। इसके लिए सरकार से कोई फंड नहीं लिया। जिससे महाराष्ट्र के विद्यार्थियों को आईएएस बनने का अवसर मिला। एनडीए की सरकार ने पहले सीटें घटाई फिर इसे बंद कर दिया। उन्होंने कहा कि जब सरकार को कोई पैसा नहीं देना है तो हाजियों के पैसों चलने वाले कोचीन सेंटर देश के सभी हज हाउस में शुरू किया जाए और सीटें भी बढ़ाई जाएं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते है कि अल्पसंख्यक विद्यार्थियों के एक हाथ में कुरान और दूसरे हाथ में कंप्यूटर देखना चाहते हैं। सबका साथ सबका विकास का नारा देने वाले और अल्पसंख्यकों को मुख्य धारा में लाने की बात करने वाले प्रधामंत्री मोदी की सरकार हाजियों के पैसे से चलने कोचिंग सेंटर को बंद कर दिया तो कैसे सबका विकास संभव होगा।

राकांपा - शरद चंद्र पवार पार्टी के शहर अध्यक्ष ने मनपा मुख्यालय के सामने फेंका कचरा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे शहर में कचरे की एक बड़ी समस्या उत्पन्न हो गई है। कई दिनों से ठाणे मनपा इस समस्या पर काबू पाने में सफल नहीं हो पा रही है। इसके चलते शहर की कई सोसायटियों के दरवाजे पर कूड़े के ढेर लग गए हैं। इसके विरोध में राकांपा-शरद चंद्र पवार पार्टी के शहर अध्यक्ष सुहास देसाई ने ठाणे मनपा मुख्यालय के सामने कूड़ा फेंककर विरोध प्रकट किया है।पिछले दस दिनों से शहर के कई हिस्सों से एकत्र कचरा उठाया नहीं गया है, ठाणे मनपा क्षेत्र से कचरा सीपी तालाब कचरा संग्रहण केंद्र में ले जाने के बाद इसे डायघर और शहर में खुले भूखंडों पर फेंक दिया जाता है। लेकिन सीपी तालाब में कूड़े में आग लगने की घटना के बाद बड़ी शर्मिंदगी पैदा हो गई है। इस मुद्दे को लेकर स्थानीय लोगों ने कूड़ा डंप करने का विरोध किया है। ठाणे शहर में कूड़ा नहीं उठने के कारण सड़कों और सोसायटियों के बाहर कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। जब यह समस्या हल नहीं हुई तो आज राकांपा शहर अध्यक्ष देसाई ने अपने घर का कूड़ा-कचरा सीधे मनपा मुख्यालय लेकर आए और मुख्यालय के सामने बैठकर विरोध प्रकट करते हुए शहर का कचरा तत्काल उठाने की व्यवस्था करने की मांग है। इस बीच उन्होंने कहा है कि मनपा में कई वर्षों से काबिज सत्ताधारियों ने स्थानीय लोगों को समय-समय पर वादे करने के अलावा कोई ठोस कदम नहीं उठाया और उनकी ही अक्षमता के कारण मनपा के पास अपना डंपिंग ग्राउंड नहीं है। वर्तमान समय में शहर में कचरे का निपटान ठीक से नहीं होने के कारण बीमारी और गंदगी बढ़ने से ठाणे के नागरिकों के स्वास्थ्य को खतरा पैदा हो गया है। आज मैंने अपने घर का कूड़ा यहां डाला है। सुहास देसाई ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इस मुद्दे का जल्द से जल्द समाधान नहीं किया गया तो हम मनपा की हर मंजिल पर कूड़े के ढेर लगा देंगे।

वरिष्ठ पत्रकार डॉ. प्रशांत सिनकर को ग्लोबल ह्यूमन पीस यूनिवर्सिटी, यूएसए से मानद डॉक्टरेट की उपाधि

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , डॉ. डॉ. डॉ. प्रशांत रेखा रवीन्द्र सिनकर को अमेरिका में ग्लोबल ह्यूमन पीस यूनिवर्सिटी ने पत्रकारिता और पर्यावरण विज्ञान में डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया है। इसके पहले भी इन्हें कई राष्ट्रीय ,अंतराष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके है। पत्रकारिता के माध्यम से डॉ. प्रशांत सिनकर पिछले 26 वर्षों से पर्यावरण जागरूकता के लिए विशेष प्रयास कर रहे हैं। उनके काम को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नोटिस किया गया है। उन्हें अब तक कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। उनके काम की मान्यता में, संयुक्त राज्य अमेरिका में ग्लोबल ह्यूमन पीस यूनिवर्सिटी ने डॉ. प्रशांत रेखा रवींद्र सिनकर को मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए डॉ प्रशांत सिनकर ने मुंबई, ठाणे और पालघर जिलों के शहरी, ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में जल और पर्यावरण संरक्षण पर पत्रकारिता की है। उनके पत्रकारिता प्रभाव ने कई स्थानों पर जल संरक्षण और पर्यावरण पुनरोद्धार की पहल को प्रेरित किया है। उनके उल्लेखनीय कार्यों को देश में विदेश अधिक महत्व मिला है। उन्होंने अपनी पत्रकारिता के माध्यम से तलासरी तालुका के धांगड़पाडा (आदिवासी पाड़ा) में पानी की गंभीर कमी का मुद्दा उठाया। उनकी खबर के बाद रोटरी क्लब और एलएंडटी फाउंडेशन की मदद से 100 फीट गहरी झील का निर्माण कराया गया। नदी संरक्षण के लिए कोंकण जैसे क्षेत्र मे नदी से कीचड़ निकालने की खबर को सराहा गया। और ऐसी खबरों से ही पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर जल संरक्षण आंदोलन की शुरूआत हुई।नदी की पाठशाला पहल के तहत राज्य की 10 से 15 नदियों के संरक्षण का काम शुरू किया गया है। डॉ प्रशांत सिनकर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 50 से अधिक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। कुछ प्रमुख पुरस्कारों में महाराष्ट्र सरकार का शिम परांजपे पुरस्कार, नेपाल में अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण परिषद में इको-2013 पुरस्कार, भारत रत्न राजीव गांधी पर्यावरण भूषण पुरस्कार, ठाणे मनपा का ठाणे गुनीजन, ठाणे गौरव, पश्चिम बंगाल में नव्या फाउंडेशन का राष्ट्रीय साहित्य शिरोमणि सम्मान 2023, हिंदुस्तान न्यूज नेटवर्क का इंटरनेशनल आइकन, वर्ल्ड अचीवर बुक (इंटरनेशनल), इंडिया स्टार वर्ल्ड रिकॉर्ड्स शामिल हैं।

अंबरनाथ के आनंद नगर एमआईडीसी परिसर में एमआईडीसी द्वारा भूमि अधिग्रहण को लेकर किसान आमरण अनशन पर

एमआईडीसी के विरोध में आमरण अनशन विगत 17 मार्च से चल रहा है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. आनंद नगर एमआईडीसी आद्योगिक परिसर के पास स्थित काकोले गांव के किसान विगत 17 मार्च से मौजे पालेगांव एमआईडीसी कमलधाम वृद्ध आश्रम के पास कृषि भूमि के तटबंध पर आमरण अनशन और भूख हड़ताल पर बैठे हैं। यह आमरण अनशन एमआईडीसी प्रशासन द्वारा काकोले गांव के किसानों की पुश्तैनी उपजाऊ जमीन को उनकी अनुमति के बिना अधिग्रहण किए जाने के विरोध स्वरूप किया जा रहा है।किसानों के आमरण अनशन द्वारा शासन से मांग की जा रही है कि किसानों को उनकी पुश्तैनी भूमि से बेदखल न किया जाए और एमआईडीसी भूमि अधिग्रहण को रद्द कर किसानों के साथ न्याय किया जाए। उक्त जानकारी स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता नरेश गायकर ने दी है।

107 लावारिस वाहनों के खिलाफ कार्रवाई कर मनपा ने वसूले 88 हजार जुर्माना

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नवी मुंबई , मनपा आयुक्त डॉ कैलास शिंदे के मार्गदर्शन में, अतिक्रमण विभाग ने 10 से 16 मार्च 2025 तक एक सप्ताह की अवधि के दौरान 66 दोपहिया और 34 चार पहिया वाहन और 7 रिक्शा , टेम्पो सहित 107 विभिन्न प्रकार के लावारिस वाहनों को उठाया गया है। इस अभियान को लेकर नागरिक काफी संतुष्टि व्यक्त कर रहे हैं। नवी मुंबई शहर में कई जगहों पर सड़कों और फुटपाथों को साफ करना संभव नहीं है क्योंकि कई दिनों तक वाहन सड़क के किनारे और फुटपाथ पर पार्क किए जाते हैं। कुछ गाड़ियाँ कई दिनों से खड़ी हैं और धूल से सनी हुई हैं। बताया जा रहा है कि इन वाहनों के मालिक और चालक इनकी देखभाल नहीं कर रहे हैं। हालाँकि, इसके कारण यह देखा जा रहा है कि नवी मुंबई, जो एक सुव्यवस्थित और स्वच्छ शहर की प्रतिष्ठा रखती है, ऐसे लावारिस शहर की स्वच्छता में बाधा बन रहे हैं। मनपा आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे ने समीक्षा बैठक में ऐसे लावारिस वाहनों पर कार्रवाई का निर्देश दिया था। तदनुसार, अपर आयुक्त डॉ. राहुल गेठे के मार्गदर्शन में अतिक्रमण विभाग के उपायुक्त भागवत डोईफोडे के माध्यम लावारिस वाहनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए सूचित किया गया था। लावारिस वाहनों के विरुद्ध यह विशेष अभियान इसी प्रकार जारी रहेगा तथा भविष्य में इसे और अधिक सघन रूप में क्रियान्वित किया जायेगा। आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे की ओर से ऐसा आवाहन किया जा रहा है।

भारतीय रेलवे द्वारा वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और दिव्यांगजन के लिए विशेष लोअर बर्थ आरक्षण प्रावधान

- भारतीय रेलवे ने वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और दिव्यांगजन के लिए लोअर बर्थ (निचली बर्थ) की सुविधा सुनिश्चित करने हेतु महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।
- वरिष्ठ नागरिकों, 45 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं और गर्भवती महिलाओं के लिए आरक्षित लोअर बर्थ

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जबलपुर 19 मार्च। रेल मंत्री, सूचना एवं प्रसारण मंत्री और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि भारतीय रेलवे वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं एवं दिव्यांगजन को लोअर बर्थ प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। वरिष्ठ नागरिकों, 45 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं और गर्भवती महिलाओं को यदि बुकिंग के समय विशेष रूप से लोअर बर्थ का विकल्प न भी चुना गया हो, तब भी उन्हें स्वचालित रूप से (यदि सीट उपलब्ध हो) लोअर बर्थ आवंटित की जाती है।लोअर बर्थ आरक्षण का विवरणः स्लीपर श्रेणी में प्रत्येक कोच में 6 से 7 लोअर बर्थ का कोटा। वातानुकूलित 3 टियर में प्रत्येक कोच में 4 से 5 लोअर बर्थ का कोटा। वातानुकूलित 2 टियर में प्रत्येक कोच में 3 से 4 लोअर बर्थ का कोटा।यह सुविधा ट्रेन में कोचों की संख्या के अनुसार लागू होती है ताकि यात्रियों को अधिकतम सुविधा मिल सके। दिव्यांगजन के लिए आरक्षण कोटाःदिव्यांगजन के लिए आरक्षण कोटा सभी मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों, जिसमें राजधानी और शताब्दी जैसी प्रीमियम ट्रेनें भी शामिल हैं, में लागू होता है।

अहीरा के महाराष्ट्र प्रभारी और कल्पना श्रुति के संपादक अजय श्रीनिवास चिरीवेल्ला आदर्श संपादक पुरस्कार के लिए नामांकित

जॉय सामाजिक संस्था जून 2025 को मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में यह पुरस्कार प्रदान करेगी।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

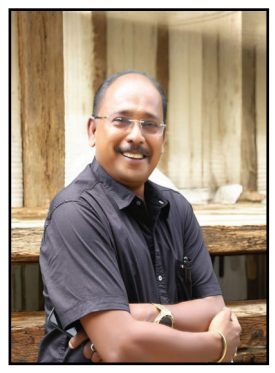

अंबरनाथ. लोकतांत्रिक मूल्यों के पैरोकार, सामाजिक कार्यकर्ता, मानवाधिकारों के प्रति दृढ़संकल्पित कल्पना श्रुति समाचार पत्र के संपादक अजय श्रीनिवास चिरीवेल्ला को समाज में उनके कार्यों और योगदान के लिए सम्मानित करते हुए मुंबई की जॉय सामाजिक संस्था द्वारा उन्हें आदर्श संपादक पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। अजय श्रीनिवास चिरीवेल्ला को यह पुरस्कार जॉय ऑफ गिविंग संस्था जून 2025 में मुंबई में होने वाले अपने वर्धापन दिवस के कार्यक्रम में प्रदान करेगी। संस्था की तरफ से कहा गया कि अजय श्रीनिवास चिरीवेल्ला द्वारा शिक्षा, मानवधिकार, पत्रकारिता, शोषितों वंचितों के लिए किए गए कार्यों से प्रेरित होकर उन्हें यह पुरस्कार प्रदान कर रही है।हमारा मानना है अजय श्रीनिवास चिरीवेल्ला अखिल भारतीय मानवाधिकार संगठन के महाराष्ट्र प्रभारी के पद पर रहते हुए मानवाधिकारों और समाचार पत्र कल्पना श्रुति के संपादक के तौर पर जनता से जुड़ी समस्याओं के लिए आए दिन आवाज उठाते रहते हैं ऐसे व्यक्तिव को पुरस्कृत करने से समाज में एक अच्छा संदेश जाएगा और इससे और लोगों को उत्कृष्ट कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। अजय श्रीनिवास चिरीवेल्ला अंबरनाथ में अपने उत्कृष्ट कार्यों से अनेकों पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं जिनमें राजीव गांधी पुरस्कार, दैनिक अंबरनाथ जनमत पुरस्कार, दैनिक अंबरनाथ टाइम्स पुरस्कार, साप्ताहिक सुहानी बातें पुरस्कार आदि प्रमुख हैं।

पमरे ने व्यारह माह में 7390 करोड़ रुपए ओरिजिनेटिंग रेवेन्यू अर्जित किया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जबलपुर । महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के द्वारा विभिन्न बैठकों में समय-समय पर पश्चिम मध्य रेलवे की ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू बढ़ाने के निर्देश दिए जाते हैं। इसी कड़ी में प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक एवं प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक के निर्देशन में वाणिज्य/परिचालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा कार्य करते हुए जबलपुर, भोपाल एवं कोटा तीनों मण्डलों में रेल राजस्व बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास भी किये जा रहे हैं। इस वित्तीय वर्ष के अप्रैल से फरवरी माह तक पश्चिम मध्य रेल ने लगभग कुल रुपये 7390 करोड़ 66 लाख का ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू अर्जित किया है। जिसमें मद वाइस आय पर नजर डालें तो यात्री यातायात से रुपये 2212 करोड़ 10 लाख, माल यातायात से रुपये 4731 करोड़ 22 लाख, अन्य कोचिंग मद में रुपये 161 करोड़ 17 लाख एवं विविध आय यानि संड्री से रुपये 286 करोड 17 लाख का रेलवे राजस्व प्राप्त किया है। अकेले फरवरी माह में पश्चिम मध्य रेल ने 617 करोड़ 35 लाख रुपए ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू अर्जित किया। जिसमें यात्री यातायात से रुपये 190 करोड़ 85 लाख, माल यातायात से रुपये 398 करोड़ 17 लाख अन्य कोचिंग मद में रुपये 14 करोड़ 60 लाख एवं विविध आय यानि संड्री से रुपये 13 करोड 73 लाख का रेलवे राजस्व प्राप्त किया है।

यात्री यातायात में रेलवे राजस्व बढ़ाने के लिए पमरे द्वारा निम्नलिखित प्रयास किये जा रहे हैं:-

यात्रियों के लिए रेल यात्रा को सुरक्षित और बेहतर बनाया गया।

स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा हैं।

पमरे से चलने वाली स्पेशल ट्रेनों की संचालन अवधि को विस्तारित कर चलाया जा रहा हैं।

यात्री ट्रेनों में प्रतीक्षा सूची को क्लीयर करने के लिए अतिरिक्त कोच लगाए जा रहे हैं।

पश्चिम मध्य रेल में मिलने वाले प्रायोगिक ठहराव की अवधि यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए बढ़ाया जा रहा हैं।

अधोसरंचना कार्यों में गति प्रदान कर यात्री ट्रेनों की गति में वृद्धि की गई साथ ही समयपालन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

माल यातायात में रेलवे राजस्व बढ़ाने के लिए पमरे द्वारा निम्नलिखित प्रयास किये जा रहे हैं:-

मालगाड़ियों की औसत गति में वृद्धि करके अलग-अलग रेल खण्ड की क्षमता में वृद्धि और इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाया गया।

माल गोदामों में राउण्ड द क्लॉक यानि चौबीस घंटे लोडिंग एवं अनलोडिंग सेवाएं दी जा रही।

गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल / साइडिंग को बढ़ाने का निरंतर प्रयास किये जा रहे है।

नई रेल लाइन/ दोहरीकरण/ तिहरीकरण जैसे अधोसरंचना कार्यों में गति प्रदान की जा रही है।

मालगाड़ियों में ऑपरेशनल सुधार भी किए जा रहे है।

गुड्स टर्मिनल की वर्किंग में सुधार एवं मालगाड़ियों के डिटेंशन को कम किया गया है।

पश्चिम मध्य रेलवे तीनों मण्डलों जबलपुर, भोपाल एवं कोटा द्वारा रेलवे राजस्व वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं।

यात्रियों की आवाजाही को सुचारू बनाने के लिए स्टेशनों पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जबलपुर । रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में प्रश्न काल के दौरान एक सदस्य के प्रश्न का जवाब देते हुए बताया कि त्यौहारों के दौरान यात्रियों की अलग-अलग आवाजाही पैटर्न के कारण प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर विशिष्ट परिचालनिक चुनौतियाँ होती हैं। सुरक्षा व्यवस्था और यात्रियों की आवाजाही को सुव्यवस्थित करने के लिए, सभी हितधारकों को शामिल करके स्टेशन विशेष योजनाएँ बनाई जाती हैं, जिनमें राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी), स्थानीय पुलिस और स्थानीय नागरिक प्रशासन शामिल होते हैं और तदनुसार यात्रियों के अंतः प्रवाह का प्रबंधन करने के लिए कार्रवाई की जाती है।प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के दौरान यात्रियों की भीड़ को संभालने के लिए की गई व्यवस्था की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि नई अवसंरचना का निर्माण किया गया, जिसमें सात अतिरिक्त प्लेटफार्मों का निर्माण शामिल रहा जिससे प्रयागराज क्षेत्र में 9 स्टेशनों में कुल प्लेटफॉर्म 48 हो गए हैं। इन स्टेशनों के लिए पहुंच मार्गों को चौड़ा भी किया गया ताकि तीर्थयात्रियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित हो। कुल मिलाकर, 17 नए स्थायी यात्री आश्रयों का निर्माण किया गया, जिससे इन आश्रयों की क्षमता 21,000 से बढ़कर 1,10,000 से अधिक हो गई। इसके अतिरिक्त, 21 नए उपरि सड़क पुलों और निचले सड़क पुलों का निर्माण किया गया, जिससे क्षेत्र में सभी समपारों को समाप्त हो गए हैं।रेल मंत्री ने कहा कि महाकुंभ के दौरान सुचारू परिवहन सुनिश्चित करने के लिए एक अच्छी तरह से समन्वित गाड़ी परिचालन योजना लागू की गई। प्रत्येक स्टेशन पर स्वयं का नियंत्रण कक्ष था, जबकि प्रयागराज जंक्शन पर एक केंद्रीय मास्टर नियंत्रण कक्ष था। गाड़ी परिचालन और स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के लिए मानक संचालन पद्धतियां विकसित की गई थी।यात्रियों की भीड़-भाड़ को सुचारू बनाने के लिए व्यापक उपाय किए गए हैं, जिसमें प्रमुख स्नान दिनों पर स्टेशनों पर एक तरफ से प्रवेश और निकासी प्वाइंट तथा प्लेटफार्मों, पैदल पार पुलों और रैंप पर एकतरफा आवागमन शामिल है।उन्होंने बताया कि रेलवे ने महाकुंभ-2025 के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई जिसमें निगरानी और रियल टाइम मॉनिटरिंग पर जोर दिया गया था। रेलपथों और स्टेशनों के पहुंच मार्गों पर भीड़ प्रबंधन के लिए लगभग 1200 सीसीटीवी कैमरे, जिनमें 116 फेस रिकग्निशन सिस्टम कैमरे और ड्रोन कैमरे शामिल थे, तैनात किए गए थे।अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेल सुरक्षा बल, राजकीय रेलवे पुलिस और अर्थ-सैन्य बलों के 15,000 अतिरिक्त कार्मिकों की तैनाती की गई थी।इसके अलावा, अन्य भीड़ वाले संवेदनशील रेलवे स्टेशनों अर्थात्वाराणसी, अयोध्या, पडित दीनदयाल उपाध्याय दानापुर और नई दिल्ली आदि पर भी अतिरिक्त तैनाती की गई थी।नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पर्याप्त अवसंरचना मौजूद है। इसमें 16 प्लेटफार्म, तीन पैदल पार पुल, पहाड़गंज और अजमेरी गेट दोनों ओर से पहुंच, स्टेशन के सामने बड़े खुले स्थान आदि हैं। त्यौहारों और कुंभ, छठ, होली आदि जैसे आयोजनों के दौरान यात्रियों की अधिक भीड़ को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर नियमित रूप से संभाला जा रहा है।इसके अलावा, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास को स्वीकृति दी गई है।अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्रों, प्रतीक्षालयों, शौचालयों, आवश्यकतानुसार लिफ्टों/ स्वचालित सीढ़ियों, स्वच्छता, निःशुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं ?द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल हैं।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

इजराइल ने गाजा में हमास के पीएम को मारा

3 आतंकियों की भी मौत; नेतन्याहू बोले- संगठन के खात्मे तक चैन से नहीं बैठेंगे

एजेंसी

तेल अवीव, इजराइल ने गाजा में हमास के प्रधानमंत्री इस्साम दिब अब्दुल्ला अल-दालीस को मार गिराया है।

इजराइल डिफेंस फोर्सेस ने अब्दुल्ला की मौत की पुष्टि की है। अब्दुल्ला ने जुलाई 2024 में रूही मुश्ताहा की मौत के बाद उसकी जगह ली थी। अब्दुल्ला गाजा में हमास की सरकार चलाता था। उसके पास हमास के संगठन और आतंकी गतिविधियों की जिम्मेदारी भी थी।

पिछले 24 घंटे में इजराइल ने हवाई हमलों में हमास के 3 बड़े आतंकियों को भी मार गिराया है।

इनमें हमास के कमांडर और पॉलिटिकल लीडर महमूद मारजूक अहमद अबू-वत्फा, बहजत हसन मोहम्मद अबू-सल्तान और अहमद ओमर अब्दुल्ला अल-हाता शामिल हैं। भारत ने भी गाजा के हालात को लेकर चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि सभी बंधकों की रिहाई जरूरी है।

नेतन्याहू बोले- हमास के खात्मे तक चैन से नहीं बैठेंगे

इजराइल ने हमास के 19 जनवरी को शुरू हुए सीजफायर को खत्म कर दिया है। मंगलवार तड़के इजराइल ने गाजा में कई हवाई हमले किए। इनमें 400 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। मंगलवार शाम इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने जंग दोबारा शुरू करने को लेकर बयान भी दिया। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ इजराइल में मंगलवार देर रात 40 हजार से ज्यादा लोग सड़क पर उतरे। प्रदर्शनकारी इजराइली खुफिया एजेंसी शिन बेट के चीफ रोनन बार को हटाने के फैसले का विरोध कर रहे थे। नेतन्याहू पर आरोप है कि वो रोनन को इसलिए हटाना चाहते हैं, जिससे हमास और कतर के साथ नेतन्याहू के सहयोगियों की गुप्त डील की जांच रोकी जा सके।

> नेतन्याहू ने कहा- इजराइल लड़ेगा और जीतेगा। हम अपने लोगों को घर वापस लाएंगे। जब तक हम हमास को खत्म नहीं कर देते, तब तक हम पीछे नहीं हटेंगे और न ही चैन से बैठेंगे।

टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के पूर्व चीफ तामिर पारदो ने नेतन्याहू को देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया है।

इजराइल के अटॉर्नी जनरल गाली बहारव-मीआरा ने शिन बेट के चीफ रोनन बार को हटाने के फैसले को अवैध करार दिया है। दूसरी तरफ विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया है कि नेतन्याहू ने गाजा फिर से शुरू कर दिया, ताकि दक्षिणपंथी मंत्री बेन ग्विर को फिर से कैबिनेट में ला सकें।

पुतिन और ट्रंप के बीच दो घंटे चली बातचीत के बाद आया जेलेंस्की का बयान

रूस पर जताई आशंका

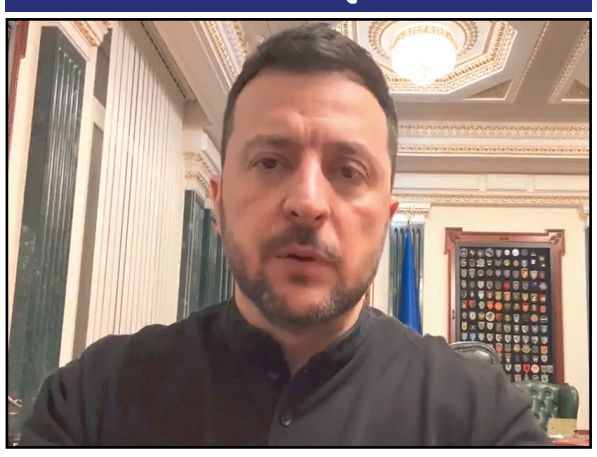

> यूक्रेन और रूस संघर्ष को खत्म कराने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से फोन पर बात की। इसकी पुष्टि वाइट हाउस ने की है। वहीं इस बातचीत से पहले यूक्रेन ने रूस की शर्तों को खारिज कर पूतिन पर आशंका जताई है।

एजेंसी

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस पर आरोप लगाया कि उसने नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए ताजा हमलों के बाद अमेरिका समर्थित युद्धविराम प्रस्तावों को प्रभावी रूप से अस्वीकार कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ 90 मिनट की बातचीत के दौरान, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन की ऊर्जा सुविधाओं पर हमलों को रोकने पर सहमति व्यक्त की, लेकिन जब तक पश्चिम सभी सैन्य सहायता बंद नहीं कर देता, पूर्ण युद्धविराम से इनकार कर दिया। यूक्रेन और रूस संघर्ष को खत्म कराने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से फोन पर बात की। इसकी पुष्टि वाइट हाउस ने की है। वहीं इस बातचीत से पहले यूक्रेन ने रूस की शर्तों को खारिज कर पूतिन पर आशंका जताई है।

यूक्रेन का कहना है कि वह सीमा से जुड़ी कोई छूट देने को तैयार नहीं है। दूसरी शर्त है कि वह नाटो के लिए पुतिन की बात मंजूर नहीं करेगा। इसके अलावा रक्षा क्षमता को लेकर पुतिन की कोई सलाह नहीं मानी जाएगी। वाइट हाउस के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने रूस जाकर पुतिन से शांति समझौते पर चर्चा की थी, जिसमें रूस ने कुछ शर्तें रख दी थीं। उन्हीं शर्तों को नकारते हुए यूक्रेन ने अपनी शर्तें रखी हैं।

ट्रंप ने फोन कॉल से पहले कहा कि वह पुतिन से उस जमीन और बिजली संयंत्रों पर चर्चा करेंगे, जो तीन साल से जारी इस युद्ध के दौरान रूस ने अपने कब्जे में ले लिए हैं। जेलेंस्की को आशंका है कि पूतिन केवल दिखावटी बातें कर रहे हैं, क्योंकि रूसी सेना लगातार यूक्रेन पर हमले कर रही है।

जेलेंस्की ने यह भी दोहराया कि यूक्रेन अपने कब्जे वाले क्षेत्रों को रूस का हिस्सा मानने के लिए तैयार नहीं है। वहीं ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और रूस अब कुछ संसाधनों के बंटवारे पर बातचीत शुरू कर चुके हैं।

पुतिन ने ट्रम्प को फोन कॉल के लिए वेट कराया

तय वक्त से 1 घंटे बाद बात की; मॉस्को में एक कार्यक्रम में मौजूद थे

एजेंसी

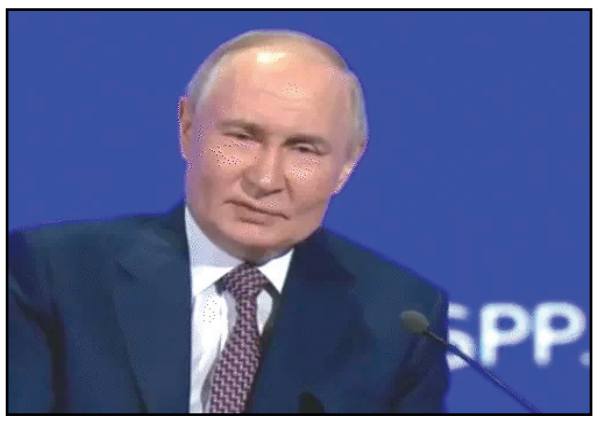

वॉशिंगटन डीसी/ मॉस्को, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को फोन पर बात की। इस दौरान यूक्रेन जंग के मुद्दे चर्चा हुई। रूसी राष्ट्रपति ने फोन कॉल के लिए डोनाल्ड ट्रम्प के 1 घंटा का वेट कराया। दोनों के बीच बातचीत के लिए स्थानीय समयानुसार शाम 4 से 6 बजे (भारतीय समयानुसार शाम 6:30 से रात 8:30 तक) का वक्त रखा गया था। पुतिन 1 घंटे की देरी से यानी करीब 5 बजे क्रेमलिन (राष्ट्रपति कार्यालय) पहुंचे। दरअसल पुतिन मॉस्को में एक कार्यक्रम में उद्योगपतियों और व्यापारियों को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम ट्रम्प से बातचीत के ठीक पहले हुआ। शाम के 4 बजने के बाद कार्यक्रम के होस्ट और पुतिन के करीबी अलेक्जेंडर शॉखिन ने अपनी घड़ी की तरफ देखा और पुतिन से कहा कि कॉल 6 बजे से पहले होनी है। दरअसल क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने ट्रम्प से बातचीत के वक्त की तरफ इशारा किया था। इस पर हंसते हुए पुतिन ने कहा कि उसकी बात मत सुनो। यूक्रेन जंग में सीजफायर को लेकर राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच मंगलवार को फोन पर 90 मिनट बातचीत हुई। यह बातचीत भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू हुई थी। एनवाईटी के मुताबिक पुतिन 30 दिनों तक यूक्रेन के ऊर्जा ठिकानों पर हमला नहीं करने के लिए राजी हो गए हैं, बशर्ते यूक्रेन भी रूस के एनर्जी ठिकानों पर हमला नहीं करेगा। हालांकि, यूक्रेनी शहरों और सैन्य ठिकानों पर हमले जारी रह सकते हैं। इसके साथ ही 19 मार्च यानी आज रूस और यूक्रेन 175-175 सैनिकों की अदला बदली करेंगे। रूस की मांग है कि 30 दिनों के सीजफायर के दौरान यूक्रेन में सेनाओं की गतिविधि बंद रहे। इसके साथ ही ब्लैक-सी में जहाजों की सिक्योरिटी के मुद्दे पर बातचीत शुरू होगी। ट्रम्प बोले- पुतिन से बात करने का अच्छा मौका एक दिन पहले यानी सोमवार को ट्रम्प ने मीडिया से कहा कि हम यह हम देखना चाहते हैं कि क्या हम उस युद्ध को समाप्त कर सकते हैं। हो सकता है कि हम कर सकें, हो सकता है कि हम न कर सकें, लेकिन मुझे लगता है कि हमारे पास राष्ट्रपति पुतिन से बात करने का अच्छा मौका है। व्हाइट हाउस का मानना है कि शांति एक अच्छा विकल्प है, लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को इस बात पर यकीन नहीं है कि पुतिन सीजफायर को लेकर गंभीर हैं। रूस बोला- नाटो वादा करे कि यूक्रेन को मेंबरशिप नहीं देगा यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की 30 दिन के सीजफायर प्रस्ताव पर सहमत हैं। रूस ने भी सैद्धांतिक तौर पर सहमति जताई है। हालांकि रूसी उप विदेश मंत्री अलेक्जेंडर ग्रुश्को का कहना है कि हमें इस बात की ठोस गारंटी मिलनी चाहिए कि यूक्रेन न्यूट्रल पोजिशन में रहेगा, नाटो देशों को यह वादा करना होगा कि वो यूक्रेन को मेंबरशिप नहीं देंगे यूक्रेन 30 दिन के सीजफायर के लिए तैयार पिछले मंगलवार यानी 11 मार्च को सऊदी अरब में अमेरिका और यूक्रेन के प्रतिनिधियों की बैठक हुई थी।

इस बैठक में यूक्रेन ने 30 दिन के सीजफायर पर सहमति जताई है। हालांकि तब रूस ने किसी भी अस्थाई सीजफायर से इनकार किया था। रूस ने पश्चिमी देशों से एक व्यापक सुरक्षा समझौते की मांग की है। इसमें यूक्रेन को नाटो में शामिल नहीं करने की गारंटी भी शामिल है।

भारत ने गाजा के हालात पर जताई चिंता

विदेश मंत्रालय ने कहा- सभी बंधकों की हो रिहाई

एजेंसी

भारत ने युद्धग्रस्त गाजा की स्थिति पर चिंता व्यक्त की, जहां बड़े पैमाने पर इजरायली हमलों में 400 से अधिक लोग मारे गए और लगभग दो महीने का संघर्ष विराम टूट गया, और कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि सभी बंधकों को रिहा कर दिया जाए। विदेश मंत्रालय (एमईए) के एक बयान में भारत ने गाजा के लोगों को मानवीय सहायता की आपूर्ति जारी रखने का आह्वान किया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हम गाजा की स्थिति को लेकर चिंतित हैं। यह महत्वपूर्ण है कि सभी बंधकों को रिहा किया जाए। हम गाजा के लोगों को मानवीय सहायता की आपूर्ति जारी रखने का भी आह्वान करते हैं। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इजरायली हवाई हमलों में गाजा पर 400 से अधिक लोग मारे गए। जनवरी में युद्ध विराम शुरू होने के बाद से हमास के साथ 17 महीने से चल रहे युद्ध में यह सबसे घातक हमला था। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने हमलों का आदेश इसलिए दिया क्योंकि हमास ने युद्ध विराम को बढ़ाने के प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया था। हमास, जिसके पास अभी भी 59 बंधक हैं, जिन्हें इजराइल ने 7 अक्टूबर, 2023 के हमले में बंधक बनाया था, ने इजराइल पर लड़ाई समाप्त करने के लिए एक स्थायी समझौते पर बातचीत करने के मध्यस्थों के प्रयासों को खतरे में डालने का आरोप लगाया, लेकिन समूह ने जवाबी कार्रवाई की कोई धमकी नहीं दी। हमलों ने गाजा पट्टी के उत्तर से दक्षिण तक घरों और तंबू शिविरों को निशाना बनाया।

> विदेश मंत्रालय (एमईए) के एक बयान में भारत ने गाजा के लोगों को मानवीय सहायता की आपूर्ति जारी रखने का आह्वान किया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हम गाजा की स्थिति को लेकर चिंतित हैं। यह महत्वपूर्ण है कि सभी बंधकों को रिहा किया जाए। हम गाजा के लोगों को मानवीय सहायता की आपूर्ति जारी रखने का भी आह्वान करते हैं।

अखिलेश यादव का दावा, महाकुंभ में हजार से ज्यादा श्रद्धालु लापता

एजेंसी

लोकसभा में पीएम मोदी के महाकुंभ वाले बयान पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि हम सभी को महाकुंभ और कुंभ बार-बार याद आता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि भारत सरकार ने महाकुंभ के आयोजन के लिए कितना बजट दिया। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सिर्फ यह व्यवस्था कर रहे थे कि वाहन कहां पार्क किए जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि लोगों को रोका जा रहा था, उन्हें सीमा में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा था।सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा और उसके लोगों को कम से कम उन श्रद्धालुओं के परिवारों की मदद करनी चाहिए

बजट सत्र के आखिरी दिन एमसीडी की बैठक में जोरदार हंगामा, भाजपा और आप पार्षदों के बीच धक्का-मुक्की

एजेंसी

एमसीडी सदन में हंगामा, भाजपा और आप पार्षदों ने एक दूसरे के खिलाफ किया प्रदर्शन। कांग्रेस पार्षदों ने भी पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया, जिस पर लिखा था, 'संविधान हमारी पहचान है, संविधान की हत्या बंद करो'। 2024-25 और अगले वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट को अंतिम रूप देने के लिए आज सदन की कार्यवाही बुलाई गई थी। आप और भाजपा पार्षद मेज और कुर्सियों पर खड़े होकर एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। कांग्रेस पार्षदों ने भी पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया, जिस पर लिखा था, 'संविधान हमारी पहचान है, संविधान की हत्या बंद करो'।गौरतलब है कि सदन की बैठक आज 2024-25 और अगले वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट को अंतिम रूप देने के लिए बुलाई गई थी। पार्षदों ने एजेंडा पेपर फाड़ दिए, टेबल पर चढ़ गए और नारेबाजी की, जिससे सदन में अराजकता फैल गई। नारेबाजी के कारण कार्यवाही बाधित हुई और फटे हुए दस्तावेज हवा में लहराए गए, जिसके कारण सदन को स्थगित करना पड़ा। एमसीडी मेयर महेश खीची ने आरोप लगाया कि सत्र के दौरान भाजपा पार्षदों ने उनसे माइक छीन लिया।उन्होंने कहा कि बजट सत्र का अंतिम दिन होने के बावजूद विपक्ष असहयोगी बना रहा और जानबूझकर कार्यवाही को बाधित किया।प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान खीची ने आरोप लगाया, ₹विपक्षी पार्षद मेज पर खड़े हो गए।

जो लोग अपने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था कायम...

प्रियंका चतुर्वेदी का फडणवीस पर तंज

एजेंसी

नागपुर हिंसा को लेकर महाराष्ट्र में सियासत तेज है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा हिंसक संघर्ष भड़काने के लिए विहिप और बजरंग दल का इस्तेमाल करती है। विधानसभा में मुख्यमंत्री के भड़काऊ भाषण और नितेश राणे के बेतुके बयानों पर कार्रवाई कब होगी? महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधते हुए उन्होंमे सवाल किया कि जो लोग अपने निर्वाचन क्षेत्र में कानून-व्यवस्था कायम नहीं रख पा रहे, वे कहीं और कैसे कायम रख पाएंगे? चतुर्वेदी ने संदेह जताते हुए कहा कि फिर शायद उन्होंने उस क्षेत्र में प्रयोग किया जहां उन्हें पूरा भरोसा था कि वे राजनीतिक लाभ उठा सकते हैं।

पश्चिम रेलवे

स्लज डीजल पंप उपलब्ध कराना

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400008. ई–निविदा आमंत्रित करता है, **सूचना संख्याः बीसीटी/24–25/309 दिनांक** 18/03/2025. कार्य और स्थानः विरार–जोरावासन खंडः वरिष्ठ डीईएन/उत्तर खंड के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर मानसून के पानी को बाहर निकालने के लिए स्लज डीजल पंप उपलब्ध कराना। कार्य की **अनुमानित लागतः** 26,51,803.20. **ईएमडीः** 53,000/–. **निविदा जमा करने की तिथि और समयः**–11.04.2025 को 15:00 बजे तक। **खुलने की तिथि और समयः** 11.04.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। **1194**

हमें लाइक करें:facebook.com/WesternRly

बृहन्मुंबई नगर निगम

रुचि की अभिव्यक्ति के लिए विज्ञापन

विषयः लोक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत श्रेणी "डी" में रिक्त पदों को एनजीओ के माध्यम से अनुबंध के आधार पर भरने के संबंध में।

एम पश्चिम वार्ड में मातोश्री रमाबाई अंबेडकर मैटरनिटी होम, चेंबूर नाका विभाग के माध्यम से श्रेणी "डी" में रिक्त पदों को स्वैच्छिक संगठन (बचत समूह को छोड़कर) के माध्यम से भरें। संस्थाओं की स्थापना का उद्देश्य अपने सदस्यों को रोजगार प्रदान करना है। फर्म के लिए पीएफ/ईएसआईसी पंजीकरण अनिवार्य है।

हम आवेदक से अनुरोध कर रहे हैं कि वह अपना आवेदन तैयार करें और चयन के लिए आवेदन करें।

आवेदन का नमूना मातोश्री रमाबाई अंबेडकर मैटरनिटी होम, चेंबूर नाका कार्यालय में 17.03.2025 से 24.03.2025 तक सुबह 10.30 बजे से शाम 04.00 बजे के बीच दिया गया है।

अंतिम तिथि 24.03.2025 (शाम 4.00 बजे तक) है।

उल्लिखित कार्यालय समय के बाद प्रस्तुत किए गए आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

वैद्यकिय अधिकारी प्रभारी
मातोश्री रामाबाई अंबेडकर
प्रसूतिगृह चैंबूर नाका

पीआरओ/2859 विज्ञा0/2024.25

महाराष्ट्र सरकार
लोक निर्माण विभाग
उत्तर मुंबई (पी.डब्ल्यू.) डिवीजन, अंधेरी
टेलीफोन नंबर 022–26231964
ई–टेंडर नोटिस संख्या 67/2024–2025

ई–मेल पताः–northmumbai-ee@mahapwd.com टेलीफोन/फैक्स नंबरः–26231964/26205788 मुंबई उपनगरीय जिला (पश्चिमी उपनगर) श्रम सहकारी समिति लिमिटेड, मुंबई से ऑनलाइन ई–टेंडरिंग सिस्टम के माध्यम से बी–1 फॉर्म में निम्नलिखित कार्य के लिए ई–टेंडर आमंत्रित किया जाता है। महाराष्ट्र सरकार की ओर से कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई (पी.डब्ल्यू.) डिवीजन, अंधेरी (डब्ल्यू), मुंबई–58 द्वारा पी.डब्ल्यू.डी में महाराष्ट्र सरकार के साथ पंजीकृत। निविदा दस्तावेज महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल https//mahatenders.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं। समितियां केवल कॉलम 4 में उल्लिखित अपने उप–शहरी क्षेत्र के अनुसार आवेदन कर सकती हैं। किसी अन्य समिति पर विचार नहीं किया जाएगा।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत रु.
1	एम.ओ.डब्ल्यू. मालवणी पुलिस स्टेशन, मलाड (पश्चिम), मुंबई के सामने की ओर अधिकारी और हवलदार विश्राम कक्ष की मरम्मत के लिए।	रु. 2398889/–
2	एम.ओ.डब्ल्यू. पुलिस क्वार्टर बिल्डिंग नं. 8 मेघवाड़ी जोगेश्वरी मुंबई में ड्रेनेज लाइन, गली ट्रैप, निरीक्षण कक्ष, प्लिंथ प्रोटेक्शन फ्लोरिंग की मरम्मत के लिए।	रु. 1028735/–
3	एम.ओ.डब्ल्यू. पुलिस क्वार्टर बिल्डिंग नं. 7 मेघवाड़ी जोगेश्वरी मुंबई में ड्रेनेज लाइन, गली ट्रैप, निरीक्षण कक्ष, प्लिंथ प्रोटेक्शन फ्लोरिंग की मरम्मत के लिए।	रु. 969645/–
4	एम.ओ.डब्ल्यू. पुलिस क्वार्टर बिल्डिंग नं. 9 मेघवाड़ी जोगेश्वरी मुंबई में ड्रेनेज लाइन, गली ट्रैप, निरीक्षण कक्ष, प्लिंथ प्रोटेक्शन फ्लोरिंग की मरम्मत	रु.1029021/–
5	गोरेगांव (ई) मुंबई में सीटीएस नंबर 258 पर पुलिस आवासीय स्टाफ क्वार्टर बिल्डिंग नंबर 2 में वेदरशेड और अन्य विविध कार्य प्रदान करना और ठीक करना।	रु.2836549/–
6	गोरेगांव (ई) मुंबई में सीटीएस नंबर 258 पर पुलिस आवासीय स्टाफ क्वार्टर बिल्डिंग नंबर 3 में वेदरशेड और अन्य विविध कार्य उपलब्ध कराना व ठीक करना।	रु.2839394/–
7	गोरेगांव (ई) मुंबई में सीटीएस नंबर 258 पर पुलिस आवासीय स्टाफ क्वार्टर बिल्डिंग नंबर 4 में वेदरशेड और अन्य विविध कार्य उपलब्ध कराना व ठीक करना।	रु.2837512/–
8	गोरेगांव (ई) मुंबई में सीटीएस नंबर 258 पर पुलिस आवासीय स्टाफ क्वार्टर बिल्डिंग नंबर 5 में वेदरशेड और अन्य विविध कार्य उपलब्ध कराना व ठीक करना।	रु.2836490/–
9	गोरेगांव (ई) मुंबई में सीटीएस नंबर 258 पर पुलिस आवासीय स्टाफ क्वार्टर बिल्डिंग नंबर 6 में वेदरशेड और अन्य विविध कार्य उपलब्ध कराना व ठीक करना।	रु.2839121/–
10	गोरेगांव (पूर्व) मुंबई में सीटीएस संख्या 258 पर पुलिस आवासीय स्टाफ क्वार्टर बिल्डिंग नंबर 2 की बाहरी मरम्मत और मौसमरोधी पेंटिंग।	रु.4468059/–
11	गोरेगांव (पूर्व) मुंबई में सीटीएस संख्या 258 पर पुलिस आवासीय स्टाफ क्वार्टर बिल्डिंग नंबर 3 की बाहरी मरम्मत और मौसमरोधी पेंटिंग।	रु.4465062/–
12	गोरेगांव (पूर्व) मुंबई में सीटीएस संख्या 258 पर पुलिस आवासीय स्टाफ क्वार्टर बिल्डिंग नंबर 4 की बाहरी मरम्मत और मौसमरोधी पेंटिंग।	रु.4466339/–
13	गोरेगांव (पूर्व) मुंबई में सीटीएस क्रमांक 258 पर पुलिस आवासीय स्टाफ क्वार्टर बिल्डिंग क्रमांक 5 की बाह्य मरम्मत और मौसमरोधी पेंटिंग।	रु.4468800/–
14	गोरेगांव (पूर्व) मुंबई में सीटीएस क्रमांक 258 पर पुलिस आवासीय स्टाफ क्वार्टर बिल्डिंग क्रमांक 6 की बाह्य मरम्मत और मौसमरोधी पेंटिंग।	रु.4468051/–
15	एच–टाइप बिल्डिंग, तीन डोंगरी, गोरेगांव (पश्चिम), मुंबई में टेरेस शेड का प्रावधान।	रु.3207715/–
16	जी–टाइप बिल्डिंग, तीन डोंगरी, गोरेगांव (पश्चिम), मुंबई में टेरेस शेड का प्रावधान।	रु.2449223/–
17	आरे वनराय गोरेगांव (पूर्व) मुंबई में बिल्डिंग क्रमांक 2 (6वीं मंजिल) में पुलिस कांस्टेबल क्वार्टरों की मरम्मत और नवीनीकरण के लिए एमओडब्ल्यू।	1197232/–
18	एम.ओ.डब्लू. आरे वनराय गोरेगांव (पूर्व) मुंबई में बिल्डिंग नंबर 3 (6वीं मंजिल) में पुलिस कांस्टेबल क्वार्टर की मरम्मत और नवीनीकरण के लिए।	रु. 1197232/–

कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई (पी.डब्लू.) प्रभाग, अंधेरी (पश्चिम) किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। सशर्त प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। सभी पंजीकृत ठेकेदार ध्यान दें

ई–निविदा जमा करने की तिथि– 19/03/2025 से 26/03/2025 बजे 15:00
ई–निविदा खोलने की तिथि– 27/03/2025 बजे 15:00
सं.ईई/एनएमडी/1972/2025

कार्यकारी अभियंता का कार्यालय,
उत्तर मुंबई (पी.डब्लू. झ प्रभाग।
कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई (पी.डब्लू.) प्रभाग,
अंधेरी (पश्चिम) मुंबई

डीजीआईपीआर/2024–25/सी–7169

संक्षेप

शौचालय में मिला ट्रक चालक का शव

हसनपुर में चालक की हार्ट अटैक से मौत, परिजन बिना पोस्टमार्टम के ले गए शव

मेरठ , फैजाबाद जा रहे एक ट्रक चालक की मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। चालक का शव गजरौला-हसनपुर मार्ग स्थित एक होटल के शौचालय में मिला। मृतक की पहचान अमेठी जिले के गौरीगंज थाना क्षेत्र के बाबूगंज गांव निवासी आलम (पुत्र दोस्त मोहम्मद) के रूप में हुई। वह मेरठ से नमक का ट्रक लेकर फैजाबाद जा रहा था। रास्ते में ग्राम सिहाली जागीर स्थित मामा ढाबे पर ट्रक रोककर वह शौचालय गया। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर जब लोग देखने गए, तो शौचालय में उनका शव पड़ा मिला। होटल मालिक ने तुरंत मनौटा चौकी पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को खबर की। मृतक के भाई शकील रजा ने बताया कि उनके भाई की मौत हृदय गति रुकने से हुई है। उन्होंने किसी कानूनी कार्रवाई से इनकार करते हुए शव को घर ले जाने की इच्छा जताई। होटल में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच में भी कुछ संदिग्ध नहीं मिला। मनौटा चौकी प्रभारी एसके नागर ने बताया कि परिजनों की इच्छा पर शव को बिना पोस्टमॉर्टम के उन्हें सौंप दिया गया। परिजनों का मानना है कि चालक की मौत हार्ट अटैक से हुई है।

अधिवक्ता की पत्नी से लूट का मामला

वकीलों ने कहा- 72 घंटे में हो खुलासा, सीओ को सौंपा ज्ञापन

हसनपुर, एक अधिवक्ता की शिक्षिका पत्नी के साथ हुई लूट के मामले में पुलिस की निष्क्रियता के खिलाफ वकीलों ने मोर्चा खोल दिया है। तहसील बार एसोसिएशन ने एसडीएम और सीओ को ज्ञापन सौंपकर 72 घंटे में मामले का खुलासा करने की मांग की है। भाजपा विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सुरमित कुमार गुप्त की पत्नी रिशु गुप्ता अपनी दो बेटियों के साथ गजरौला जा रही थीं। रास्ते में ईको सवार बदमाशों ने उनसे लूटपाट की और उन्हें गजरौला मार्ग पर छोड़कर फरार हो गए। दस दिन बीत जाने के बाद भी कोतवाली पुलिस मामले का खुलासा नहीं कर पाई है। इससे नाराज वकीलों ने बुधवार को एसडीएम विभा श्रीवास्तव और सीओ दीप कुमार पंत को ज्ञापन सौंपा।

जमीनी विवाद में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प

हसनपुर में छतों से पथराव और लाठी-डंडों से मारपीट, चार महिलाएं घायल

अमरोहा , हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव अगरौला कलां में जमीनी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। लोग मकानों की छतों पर चढ़ गए और वहां से पथराव किया। साथ ही लाठी-डंडों से भी एक-दूसरे पर हमला किया। इस हिंसक झड़प में दोनों पक्षों की कुल चार महिलाएं घायल हुईं। एक पक्ष से नाजरीन, वकीला और अफसाना, जबकि दूसरे पक्ष से बादशाही घायल हुई हैं।

लड़की की हत्या, आंखें चील-कौओं ने नोची

पेड़ से लटकी मिली लाश; डायरी में एक नोट मिला, 3 गिरफ्तार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, प्रयागराज में 21 साल की लड़की की हत्या कर दी गई। मंगलवार को घर से 8 किमी दूर उसकी लाश पेड़ से लटकी मिली। आंखों पर गहरे जख्म थे। कपड़े भी अस्त-व्यस्त थे। आशंका है कि या तो हत्यारों ने या चील-कौओं ने उसकी आंखें नोच डाली। पूरी बॉडी पर चोट के निशान हैं। लड़की से रेप का आरोप लगाते हुए परिजनों ने हंगामा किया। 2 घंटे तक शव पेड़ से नहीं उतारने दिया। अफसरों ने कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद लाश को पेड़ से उतारा गया। पुलिस ने जब लड़की का मोबाइल चेक किया तो आखिरी कॉल एक लड़के को की गई थी। पुलिस ने गांव के इंद्रजीत नाम के लड़के को अरेस्ट किया है। उसके 2 दोस्तों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पूरा मामला सोरांव थाना क्षेत्र का है। आज पोस्टमॉर्टम के बाद लड़की की लाश घरवालों को सौंपी जाएगी। लड़की मऊआइमा थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली थी। हाल ही में उसके पिता को पैरालिसिस का अटैक पड़ा था। वह चलने-फिरने में असमर्थ हैं। परिवार में मां और दो भाई हैं। लड़की ने 2 साल पहले बीए की पढ़ाई पूरी की थी। अब वह गांव में सिलाई-कढ़ाई सीख रही थी। भाई ने बताया- बहन घर से निकली थी। उससे पहले वह मोबाइल पर बात कर रही थी। मोबाइल और रुपए वह घर पर ही छोड़कर गई। बहन जब 3-4 घंटे तक नहीं लौटी, तब उसकी खोजबीन शुरू की। रिश्तेदारों और उसकी सहेलियों के पास फोन किया। मगर बहन का कुछ पता नहीं चला। हमने मऊआइमा थाने में बहन की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। घोषणा बर्जी गांव के बाहर लोगों ने एक शव पेड़ से लटका हुआ देखा। पुलिस ने पहुंचकर क्राइम स्पॉट को ब्लॉक किया और लाश को नीचे उतारने लगी। इसी दौरान परिवार के लोग पहुंच गए और हंगामा करने लगे। उन्होंने गांव के लड़के इंद्रजीत पटेल पर हत्या का आरोप लगाया। कहा- वह फोन करके बेटी को परेशान करता था। इसके बाद अफसरों ने कार्रवाई का आश्वासन दिया। तब जाकर शव को पेड़ से उतारा गया। इसके बाद पुलिस ने लड़की के कमरे की तलाशी ली। इस दौरान अलमारी में एक डायरी मिली, जिसमें लड़की ने गांव के इंद्रजीत का जिक्र किया था। डायरी में लड़की ने और क्या लिखा है, पुलिस ने इसका खुलासा नहीं किया है। पुलिस ने परिजनों से लड़की का मोबाइल चेक किया तो पता चला कि लड़की ने इंद्रजीत को आखिरी कॉल की थी। इसके बाद पुलिस ने इंद्रजीत और 2 अन्य लड़कों को हिरासत में ले लिया।

यमुनापार के लपरी नदी में डूबकर 2 बच्चों की मौत

तीसरा भाई बचाने को चिल्लाता रहा लेकिन कोई नहीं पहुंचा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, यमुनापार क्षेत्र में दर्दनाक हादसा सामने आया है। कोरावं में लपरी नदी में नहाते समय दो चचेरे भाइयों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान 13 वर्षीय अभिमन्यु और उसके चचेरे भाई सिद्धार्थ के रूप में हुई है। तीनों भाई स्कूल से लौटने के बाद साइकिल से घूमने निकले थे। घर से करीब 500 मीटर दूर स्थित लपरी नदी पर पहुंचे। अभिमन्यु और सिद्धार्थ नहाने उतर गए, जबकि तीसरे भाई गौरव राज ने मना कर दिया। नहाते समय दोनों गहरे पानी में चले गए नहाते समय दोनों गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। बचाव के लिए शोर मचाया, लेकिन आसपास कोई नहीं था। गौरव राज ने भी मदद के लिए आवाज लगाई। जब कोई नहीं आया तो वह दौड़कर घर गया और परिवार को सूचना दी। खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। परिवार के रत्नेश कुमार तिवारी ने काफी मशक्कत के बाद दोनों को नदी से निकाला। पहले उन्हें लेड़ियारी स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां से नारीवारी स्थित दूसरे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। दोनों बच्चे प्रयागराज पब्लिक स्कूल किसुनी खुर्द में पढ़ते थे। अभिमन्यु कक्षा चार का छात्र था, जबकि सिद्धार्थ कक्षा दो में पढ़ता था।

शवों को घर लाने पर दोनों की माताओं की हालत बिगड़ गई। गांव की महिलाओं ने उन्हें संभाला।

शॉर्ट सर्किट से टीवीएस शोरूम में लगी आग

- 50 लाख की मोटरसाइकिल जलीं, पड़ोस की दुकान भी प्रभावित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, बाजार स्कूल थाना में राम बक्स ऑटो सेल्स टीवीएस शोरूम में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। शोरूम के फर्स्ट फ्लोर पर स्थित सत्य साई ट्रेडर्स की दुकान भी आग की चपेट में आ गई। दोनों तल पूरी तरह जल गए। फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। टीम ने लगभग एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। टीवीएस शोरूम के मालिक जगदीश पाल के अनुसार, आग से 50 लाख रुपए से अधिक की मोटरसाइकिल जलकर नष्ट हो गईं। इस घटना से उन्हें भारी नुकसान हुआ है।

नशे में धुत 2 युवकों की दबंगई

बुजुर्ग को पीटकर किया लहूलुहान, गंभीर हालत में लखनऊ रेफर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, कोतवाली देहात के घासीगंज में मंगलवार की देर रात दो नशेड़ियों ने एक बुजुर्ग को बुरी तरह पीट दिया। घटना घासीपुर गांव की है। गंभीर हालत में उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज से ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है। घटना के समय अमरनाथ नाम के व्यक्ति अपने घर पर थे। उनके पड़ोसी विनय द्विवेदी के बेटे विमल द्विवेदी और सीटू, जो नशे के आदी हैं, ने उन पर हमला कर दिया। अमरनाथ किसी तरह जान बचाकर भागे। इसके बाद दोनों नशेड़ी अमरनाथ के घर में घुस गए। वहां उन्होंने अमरनाथ के पिता महाराजादीन (74) को बुरी तरह पीटा। जिससे उनके शरीर में काफी चोटे आई। खासकर उन्हें सिर में गंभीर चोटे आई वे चीख मारकर बेहोश हो गए। परिवार के शोर मचाने पर आस-पड़ोस के लोग जमा हुए, तब जाकर दोनों आरोपी वहां से भागे। परिजन घायल बुजुर्ग को राजकीय मेडिकल कॉलेज ले गए। डॉक्टर एसके सोनी ने बुजुर्ग की गंभीर हालत देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए केजीएमसी लखनऊ रेफर कर दिया। कोतवाली देहात इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार ने बताया कि तहरीर नहीं मिले है। परिवार से तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

ठेकेदार ने मिट्टी खोदकर गड्ढा भरा नहीं, किसान परेशान

- हसनपुर में ग्रामीणों ने किया विरोध, खेतों में जलभराव का बढ़ा खतरा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

हसनपुर, अमरोहा के हसनपुर में गंगा एक्सप्रेसवे निर्माण के दौरान एक गंभीर समस्या सामने आई है। उझारी बुरावली मार्ग पर एक्सप्रेसवे के नीचे ठेकेदार द्वारा मिट्टी खोदकर छोड़ने से बड़ा गड्ढा बन गया है। स्थानीय किसानों का कहना है कि बारिश के मौसम में इस गड्ढे में पानी भर जाएगा। इससे आसपास के खेतों में जलभराव की स्थिति बन सकती है। किसानों ने कई बार ठेकेदार से इस गड्ढे को भरने की मांग की है। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस मुद्दे को लेकर ग्रामीणों ने धरना-प्रदर्शन किया। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही गड्ढे को समतल नहीं किया गया, तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। प्रदर्शन में नदीम चौधरी, इसरार मुंशी, अनवर अहमद, नैनसुख, सोमपाल, बबलू, राम सिंह, इस्लाम हाजी, इरशाद, महेंद्र सैनी, रशीद प्रधान, वकील, सलमान, जितेंद्र, राजवीर और सतपाल समेत कई ग्रामीण शामिल थे।

'नशा मुक्त अमेठी अभियान में बड़ी कार्रवाई

18 ग्राम स्मैक के साथ कौशांबी का युवक गिरफ्तार, पुलिस की छापेमारी में सफलता

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी तहसील, पुलिस ने नशा मुक्त अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने 18 ग्राम स्मैक के साथ कौशांबी के एक युवक को गिरफ्तार किया है। एसपी अमेठी अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर चल रहे सघन चेकिंग अभियान में यह सफलता मिली। उपनिरीक्षक मंजीत सिंह की टीम ने क्षेत्र में गश्त के दौरान एक संदिग्ध युवक की तलाशी ली। इस दौरान उसके पास से स्मैक बरामद हुई। पकड़े गए आरोपी की पहचान श्रीराम विश्वकर्मा के रूप में हुई है। 30 वर्षीय श्रीराम कौशांबी जिले के मंझनपुर थाना क्षेत्र के रामचरन का पुरवा, मजरे टेवा का रहने वाला है। एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने कहा कि जनपद को नशा मुक्त बनाने का अभियान जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से नशे के कारोबार की जानकारी पुलिस को देने की अपील की है। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

अलीगढ़ में 11 बीएसए, 34 बीईओ समेत 55 पर एफआईआर

4.9 करोड़ के पीएफ घोटाले में पाए गए हैं दोषी; बन्नादेवी थाने में मुकदमा दर्ज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, बेसिक शिक्षा विभाग में कर्मचारियों को प्रॉविडेंट फंड (पीएफ) के घोटाले के मामले में 55 अधिकारी और एक दर्जन कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। वर्तमान बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ राकेश सिंह ने बन्नादेवी थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। विभाग में कर्मचारियों का पीएफ जमा करने में 4 करोड़ 92 लाख रुपए का घोटाला हुआ था। जिसकी शिकायत एक रिटायर्ड कर्मचारी ने की थी। मामले की शिकायत मिलने के बाद एडी बेसिक स्तर के अधिकारियों ने जांच की थी और पाया था कि कर्मचारियों का पीएफ जमा करने में घोटाला हुआ था। इसकी रिपोर्ट शासन को भी भेजी गई थी। अलीगढ़ के टप्पल ब्लाक से रिटायर हुए शिक्षक जगदीश प्रसाद ने कर्मचारियों के पीएफ में गड़बड़ी की शिकायत की थी। जिसके बाद तात्कालीन डीएम ने सिटी मजिस्ट्रेट विनीत कुमार और वरिष्ठ कोषाधिकारी से मामले की जांच कराई थी। इसमें कई अभिलेख गायब मिले और दस्तावेजों में भी गड़बड़ियां थी। जिसके बाद शासन से जांच टीम बनी थी। शासन के आदेश होने के बाद तात्कालीन एडी बेसिक डॉ इंद्र प्रकाश सिंह सोलंकी और वित्त एवं लेखाधिकारी प्रशांत कुमार ने मामले की जांच की। जिसमें सामने आया कि 2003 से 2013 तक अलीगढ़ में तैनात रहे अधिकारियों ने बड़ी गड़बड़ियां और घोटाले किए हैं। कर्मचारियों की पीएफ राशि उनके खातों में भेजी ही नहीं गई। इसकी रिपोर्ट 7 जनवरी 2022 को शासन को भेजी गई थी। जिसमें 4.92 करोड़ रुपए की गड़बड़ी की बात थी। बीएसए डॉ राकेश सिंह ने तहरीर देकर 2003 से 2013 तक अलीगढ़ जिले में कार्यरत रहे 11 बेसिक शिक्षा अधिकारी, 34 ब्लाक शिक्षा अधिकारी, 10 वित्त एवं लेखा अधिकारी समेत एक दर्जन से ज्यादा कर्मचारी को पीएफ व लेखा पटल में कार्यरत रहे हैं, उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। अलीगढ़ में 2003 से 2013 तक में दिनेश सिंह, पुष्पा सिंह, अलताफ अंसारी, मनोज कुमार, डा. मुकेश कुमार सिंह, एमपी सिंह, डा. महेंद्र प्रताप सिंह, एसपी यादव, संजय शुक्ला, धीरेंद्र कुमार यादव बतौर बीएसए तैनात रहे।

बरसाना में रोपवे की 3 ट्रॉलियां आपस में टकराईं

राधा रानी मंदिर से लौट थे श्रद्धालु, 18 श्रद्धालु बाल-बाल बचे, जांच के लिए रोका संचालन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, बरसाना में राधा रानी मंदिर तक जाने वाले रोपवे में बड़ा हादसा हो गया। मंदिर से लौट रहे श्रद्धालुओं को लेकर आ रही तीन ट्रॉलियां अचानक तेजी से नीचे गिरने लगीं। ये ट्रॉलियां स्टेशन से टकरा गईं। हादसे में ट्रॉलियों में सवार एक दर्जन श्रद्धालु बाल-बाल बच गए। हादसे के बाद मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ने कहा हादसा क्यों हुआ इसकी जांच की जा रही है, फिलहाल संचालन रोक दिया गया है। जानकारी के अनुसार ब्रह्मांचल पर्वत पर स्थित राधा रानी मंदिर से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की ट्रॉलियां अचानक अनियंत्रित हो गईं। ट्रॉलियों की रफ्तार बढ़ने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। नीचे सड़क और सीढ़ियों पर मौजूद लोग भी चिल्लाने लगे। स्टेशन से टकराने के बाद ट्रॉलियों के केबिन के कांच टूट गए। रोपवे कर्मचारियों ने तुरंत सभी श्रद्धालुओं को बाहर निकाला। किसी को कोई चोट नहीं आई। हादसे के बाद रोपवे का संचालन तत्काल बंद कर दिया गया। जांच के बाद ही इसका संचालन दोबारा शुरू किया जाएगा।

जलशक्ति मंत्री ने 59 करोड़ की परियोजनाओं का किया शिलान्यास

नहर के आधुनिकीकरण से 265 हेक्टेयर भूमि होगी सिंचित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बांदा, उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने विश्व जल दिवस पर बांदा का दौरा किया। उन्होंने ओरन कस्बे में 'सरोवर हमारी धरोहर' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मंत्री ने सिंचाई और लघु सिंचाई विभाग की कुल 35 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं की कुल लागत 58.29 करोड़ रुपए है। इनमें मदनपुर, काजीपुर और कनवारा पंप नहर के आधुनिकीकरण से 265 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। जिससे 400 किसान लाभान्वित होंगे। गुढ़ा और दौलतपुर पंप नहर के आधुनिकीकरण से 543 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि सिंचित होगी। इससे 385 किसानों को फायदा मिलेगा। विभाग के निरीक्षण भवनों और कॉलोनी का पुनरुद्धार भी किया जाएगा। 20 निरीक्षण भवनों की बाउंड्री वॉल का निर्माण होगा। लघु सिंचाई विभाग की अटल भूजल योजना के तहत 22 चेकडैम और 39 तालाब का जीर्णोद्धार होगा। इससे 1025 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी और 8.60 लाख घन मीटर पानी का भूजल संचयन होगा।

251 कुंडीय गायत्री महायज्ञ आयोजित

हजारों श्रद्धालुओं ने लिया हिस्सा, देव पूजन से हुई शुरूआत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी तहसील, अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में अमेठी में राष्ट्र जागरण 251 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन शुरू हुआ। बुधवार को देव पूजन के साथ इस महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। सुबह से ही यज्ञ स्थल पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। यज्ञशाला के निर्माण और अन्य व्यवस्थाओं में सैकड़ों स्थानीय लोगों ने योगदान दिया। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आयोजन स्थल को ब्लॉकवार विभाजित किया गया है। शांतिकुंज से आए प्रज्ञा पुत्र नरेंद्र ठाकुर के नेतृत्व में देव पूजन संपन्न हुआ। मंच पर काशी प्रसाद तिवारी, सुभाष शुक्ल और महेंद्र मिश्रा समेत कई गणमान्य लोगों ने पूजन किया। यज्ञशाला में विशेष अतिथियों ने सप्त ऋषियों का पूजन भी किया। प्रत्येक यज्ञ कुंड पर मुख्य यजमान ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ आहुति दी। देव पूजन के बाद सप्तक्रांति प्रधान कार्यकर्ता गोष्ठी, युगसंगीत प्रवचन और कथा का आयोजन हुआ। युवा समन्वयक डॉ. प्रवीण सिंह दीपक ने बताया कि यह आयोजन गुरुदेव के धरती पर स्वर्ग के अवतरण और मानव के देवत्व के संकल्प को साकार करने के लिए किया गया है। कार्यक्रम में राज करन सिंह, अवधेश सिंह, लाल बिहारी सिंह, राकेश सिंह, कैलाश नारायण तिवारी, प्रखर सक्सेना और प्रेम नारायण गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा एफ.एल.टी.-एल.जी.-75, आर.एम. 4/4, इंदिरा नगर, सुंदर बाग, आर.डी. कुर्ला (प.) मुम्बई, 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं एस.आर. पब्लीकेशन, मोहन अर्जून कम्पाउंड गोदाम नं. 8,9,10 नीयर घाटन पाड़ा, वैशाली नगर, लास्ट बस स्टाप, दहिसर (पूर्व), मुम्बई 400068 महाराष्ट्र से मुद्रित।। सम्पादक- खुशीराम शर्मा ।।

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 02248253669,8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173 संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001 भारत संवाद सिटी ऑफिस- फ्लैट नंबर 24, सेकंड फ्लोर, कांटेक्टर बिल्डिंग, ब्लार्ड स्टेट, वजू कोटक मार्ग, शहीद भगत सिंह रोड, फोर्ट, मुंबई 400001 महाराष्ट्र।